सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 314 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 28 अगस्त 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

गर्म लावा की चपेट में आकर मजदूर की मौत, जांच में जुटी स्थानीय पुलिस

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एमएसपी प्लांट में मंगलवार की रात एक मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई। एसएमएस यूनिट में लोहे का गर्म लावा गिरने से एक ठेका श्रमिक की मौत हो गई। घटना चक्रधर नगर थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के अनुसार ,चक्रधर नगर थाना थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जामगांव मे स्थित एमएसपी प्लांट में बीती रात साढ़े 11 के आसपास एक ठेका श्रमिक एसएमएस यूनिट में क्रेन से गला हुआ लोहा ले जाते समय गर्म लिक्विड में गिरने से उसकी मौके पर उसकी दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद वहां हड़कंप मच गया। देखते ही देखते मौके पर श्रमिकों की भारी भीड़ जुट गई। बताया जा रहा हादसे में जिस श्रमिक की मौत हुई है वह बिहार का रहने वाला था। प्लांट में ठेका श्रमिक की मौत की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

ओवरटेक के चक्कर में बस ने ट्रक को मारी टक्कर, चार यात्री घायल

बालोद। जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर बस्तर रायपुर नेशनल हाईवे मरकाटोला

घाट के पास ओवरटेक करने के चक्कर में कांकेर रोडवेज की बस ने ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। जिसमें बस में सवार चार यात्री बुरी तरह घायल हो गए। जिन्हें अस्पताल ले जाया गया है, जहां पर सभी का इलाज किया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, पूरी घटना पूर्ण पुरूर क्षेत्र का है। थाना प्रभारी शिशुपाल सिंह घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि घटना में चार लोग घायल हुए हैं और मामले की जांच की जा रही है। यात्रियों को सुरक्षित बस से निकल गया है। हादसे के चलते सड़क पर जाम की स्थिति पैदा हो गई थी। ट्रैफिक को कम कराया जा रहा है। मरकाटोला घाट दुर्घटनाओं का केंद्र बिंदु बना हुआ है। यहां पर अक्सर हद से होते रहते हैं, क्योंकि यह बस्तर अंचल को राजधानी से जोड़ने का एकमात्र प्रमुख मार्ग है। इसलिए यहां पर यातायात का भी काफी दबाव रहता है। अब तक किसी जगह और आसपास दर्जन भर लोग अपनी जान गवा चुके हैं।

रेलवे ट्रेक पर मिली महिला की लाश, जांच में जुटी पुलिस

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में रेलवे ट्रेक पर एक महिला की ट्रेन से कटी हुई लाश मिली है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उक्त महिला के शव का शिनाख्त नहीं हो पाया है। यह पूरी घटना शिवप्रसाद नगर स्थित स्टेशन के पास रेलवे ट्रेक की बताई जा रही है। हालांकि पुलिस इस मामले की जांच में जुटी हुई है।

डबल होने जा रही है आयुष्मान स्वास्थ्य कार्ड की लिमिट

एक और वायदा पूरा करने की तैयारी

स्वास्थ्य विभाग तैयारियों में जुटा, जल्द हो सकती है घोषणा, करा सकेंगे 10 लाख तक इलाज

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। चुनावी घोषणा-पत्र में किए गए एक और वायदे को साय सरकार जल्द पूरा करने जा रही है। भाजपा ने 2023 में अपने चुनावी घोषणा-पत्र में स्वास्थ्य कार्ड की लिमिट दोगुना करने का वायदा किया था। अब इस पर अमल की तैयारी है। सरकार के निर्देशों के बाद स्वास्थ्य विभाग इसे अमलीजामा पहनाने में जुट गया है। अब तक आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के तहत 5 लाख रूपए की लिमिट तय थी, जिसे बढ़ाकर 10 लाख रूपए किया जा रहा है। फिलहाल मिडिल क्लास के हर परिवार को 50 हजार रूपए तक के इलाज कराने की सुविधा है। इसे भी बढ़ाकर 1 लाख रूपए किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अफसरों के मुताबिक, स्वास्थ्य मंत्री ने आयुष्मान नोडल एजेंसी को प्रस्ताव बनाने के लिए कहा है।

छत्तीसगढ़ में अभी कितने परिवार इस योजना के दायरे में आ रहे हैं, इसकी एक विस्तृत रिपोर्ट बना कर तैयार करना है। अब तक इस स्कीम में प्रदेश में 2 करोड़ 23 लाख से ज्यादा ई-कार्ड बन चुके हैं। इसी के साथ 35 लाख 30 हजार से ज्यादा लोग इलाज भी करवा चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्री की मानें तो सरकार का फोकस कैशलेस इलाज की व्यवस्था को सब तक पहुंचाने की तरफहै।

आपको बता दें कि भाजपा ने 2023 में अपने चुनावी घोषणापत्र में आयुष्मान भारत स्कीम में गरीब परिवारों के लिए इलाज की लिमिट को 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख तक यानी दोगुना करने का वादा भी किया था। इसी के साथ मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए भी लिमिट दोगुनी की जाने की बात कही थी। प्रदेश में अभी 56 लाख से अधिक परिवार अभी इस योजना में प्रति परिवार 5 लाख रुपए तक के कैशलेस इलाज के दायरे में आते हैं। वहीं, प्रदेश में एपीएल कार्डधारी परिवारों की तादाद 8.82 लाख से भी ज्यादा है। माना जा रहा है कि इस नई व्यवस्था से 8.82 लाख मध्यवर्गीय परिवारों को 1 लाख रुपए तक फ्री इलाज का सीधा फायदा मिलेगा।

गम्भीर बीमारियों की राशि भी बढ़ेगी

मीडिया रिपोर्ट की मानें तो प्रदेश सरकार ऐसी बीमारियां जिनके इलाज का खर्च अभी 5 लाख रुपए से अधिक आ रहा है, उन बीमारियों के मरीजों को मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता स्कीम में भी राहत दी जाती है। इसमें फिलहाल 25 लाख रुपए तक की सहायता दी जा रही है। सरकार की मानें तो जरूरत पड़ने पर इसकी लिमिट भी बढ़ाई जा सकती है। आयुष्मान योजना में इलाज के लिए 1211 से अधिक अस्पताल रजिस्टर्ड हैं, जिनमें 835 सरकारी व 376 से ज्यादा निजी अस्पताल हैं। इनमें फ्री इलाज की सुविधा है।

आयुष्मान कार्ड बनाने में छत्तीसगढ़ अग्रणी

छत्तीसगढ़ आयुष्मान कार्ड बनाने के मामले में देश में अग्रणी राज्यों में शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2018 में प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना का शुभारंभ बीजापुर से किया था। आयुष्मान योजना में एपीएल परिवार को 50 हजार तथा बीपीएल कार्डधारक परिवार को पांच लाख तक नि:शुल्क इलाज मिलता है। आयुष्मान कार्ड सरकारी के साथ निजी अस्पतालों में भी मान्य है। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के साथ डा. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना को जोड़ दिया गया था। वर्तमान में भाजपा की सरकार बनने के बाद अब इसे आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के साथ शहीद वीरनारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के नाम से संचालित करने का निर्णय लिया है। केंद्र और राज्य सरकार के निर्देश के बाद अधिकारियों की ओर से आयुष्मान कार्ड बनाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी अब गांव-गांव, घर-घर पहुंचकर लोगों का आयुष्मान कार्ड बना रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से शत-प्रतिशत लोगों को शासन की ओर से मिलने वाले नि:शुल्क इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

दुर्ग-भिलाई में बनेगा सिम्स

प्रदेश में सरकार ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की तर्ज पर हर संभाग में छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस (सिम्स) बनाने की घोषणा की है। ऐसे में प्रदेश के रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई, बस्तर और सरगुजा में सिम्स बनाए जा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने आयुष्मान कार्ड के तहत नि:शुल्क इलाज की सुविधा पांच लाख रुपए से बढ़ाकर 10 लाख रुपए करने की घोषणा की थी। लम्बे मंथन के बाद अब इसे अमलीजामा पहनाए जाने की तैयारी है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल इसे लेकर कई बैठकें भी चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने विचार-विमर्श लेकर प्रस्ताव और कार्ययोजना बनाने के निर्देश काफी पहले ही दे दिए थे। प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों ने कुछ समय पहले कहा था कि दस लाख तक नि:शुल्क इलाज पर सिर्फ एक पेंच फंसा हुआ है कि एपीएल, बीपीएल या सभी को इसमें शामिल करना है। इसका निर्णय राज्य शासन की ओर से किया जाना है।

लगातार बढ़ रहा है बजट

मीडिया रिपोर्ट की मानें तो स्वास्थ्य मंत्री विभागीय बैठकों में लगातार ये बात कह रहे हैं कि राज्य सरकार इस योजना में जल्द से जल्द सभी परिवारों को लाना चाहती है। इस हेल्थ स्कीम की शुरुआत में 550 करोड़ का बजट प्रावधान किया गया था। जो कि साल दर साल लगातार बढ़ता ही जा रहा है। शहीद वीरनारायण आयुष्मान स्वास्थ्य योजना का लाभ हर परिवार को मिले, इसके लिए व्यापक रूप से काम किया जा रहा है। इलाज की लिमिट को बढ़ाने काम कर रहे हैं। आंकलन के लिए टीम का गठन किया है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो छत्तीसगढ़ में लगभग 56 लाख से ज्यादा गरीब परिवार रहते हैं। इसी के साथ सामान्य परिवारों की बात की जाए तो यहां लगभग 8.82 लाख मध्यमवर्गीय परिवार रहते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि इन सभी परिवारों को अभी इलाज के लिए दी जाने वाली सहायता को दुगना किया जा सकता है।

मुखबिरी का आरोप, नक्सलियों ने की पुलिस जवान के भाई की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। नक्सलियों ने एक बार फिर मुखबिरी के आरोप में एक ग्रामीण की हत्या कर दी। नक्सलियों ने पुलिस जवान के भाई को दिनदहाड़े धारदार हथियार से वार कर मौत के घाट उतार दिया। नक्सलियों ने पिछले चार दिनों में तीन हत्या की घटनाओं को अंजाम देकर क्षेत्र में दहशत फैलाने की कोशिश की हैं।

जानकारी के मुताबिक, मिरतुर थाना क्षेत्र के ग्राम तिमेनार में नक्सलियों ने एक पुलिस जवान के भाई कारम सुदरु की दिनदहाड़े धारदार हथियार से वार कर निर्ममता पूर्वक हत्या कर दी है। नक्सलियों ने मुखबिरी के आरोप में ग्रामीण की हत्या की हैं। बताया गया है कि ग्रामीण पटेलपारा तिमेनार में रहता था। मृतक का भाई पुलिस जवान है और वह दंतेवाड़ा में पदस्थ हैं। बता दें कि बीते शनिवार की रात नक्सलियों ने गंगालुर थाना क्षेत्र के पुसनार में एक ग्रामीण लांचा पुनेम की मुखबिरी के शक में धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी थी। वहीं, सोमवार को जांगला थाना के जैगुर निवासी ग्रामीण मंडावी सीतु की नक्सलियों ने मुखबिरी के आरोप में जनअदालत लगाकर उसकी हत्या कर दी गई थी और अब मिरतुर थाना क्षेत्र के तिमेनार में नक्सलियों ने पुलिस जवान के भाई को मौत के घाट उतार दिया हैं।

उत्तरी छत्तीसगढ़ में भारी बारिश के आसार

मौसम विभाग ने 5 जिलों में किया अलर्ट जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में एक बार फिर मौमस का मिजाज बदलने वाला है। 24 घंटे के अंदर कई जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई हिस्सों के लिए अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार, कोरिया, बलरामपुर, जशपुर, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, सूरजपुर, रायगढ़ और कोरबा जिलों में गरज चमक के साथ बिजली गिरने की आसार है।

एक-दो जगहों पर गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की भी आशंका जताई है। वहीं 29 अगस्त से छत्तीसगढ़ में बारिश की एक्टिविटी बढ़ेंगी। 30 अगस्त से एक-दो जगहों पर भारी बारिश की संभावना है। इसके अलावा एक मानसून की ट्रफलाइन सीधी, गुना, जैसलमेर, डाल्टनगंज, राजस्थान के पूर्वी हिस्से से लेकर पश्चिम बंगाल तक बनती दिखाई दे रही है। इसका भी प्रदेश के मौसम पर सीधा असर पड़ेगा। मौसम विभाग की जो भविष्यवाणी मानसून को लेकर थी जो सही साबित हो रही है। दक्षिण पश्चिम मानसून की बात की जाए अभी अक्टूबर तक उसका असर उत्तरी भारत में रहने की संभावना है।

स्टूडेंट को बदमाशों ने मारा चाकू

रायपुर। राजधानी रायपुर में बूढ़ापारा बिजली ऑफिस चौक के पास देर रात एक सीए स्टूडेंट को कुछ बदमाशों ने चाकू मारा दिया। बताया जा रहा है कि अज्ञात बदमाशों ने कोचिंग से मेडिकल स्टोर जाते हुए उसे रास्ते में रोककर युवक को चाकू मार कर घायल कर दिया है। वहीं इस स्टूडेंट को गंभीर हालत में अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां पर उनका इलाज अभी जारी है, जानकारी के मुताबिक बोरियाखुर्द निवासी स्टूडेंट उत्तम दिवेदी को पेट और जांघ में चाकू मारकर अज्ञात आरोपी मौके से फरार हो गए।

बीएसएफ जवान को लगी गोली, इलाज के दौरान मौत

भिलाई। प्रदेश के दुर्ग भिलाई जिले खबर सामने आई है कि एक बीएसएफ जवान को गोली लगी है। यहां यह बता दें कि यह जवान नारनूल जिला महेंद्रगढ़ हरियाणा का रहने वाला है। जिसकी पोस्टिंग अंतागढ़ में हुई थी। इसके साथ ही गोली लगे जवान का नाम मनोज कुमार बताया जा रहा है। जो जनरल ड्यूटी हेतु एसएसबी क्षेत्रीय मुख्यालय भिलाई में आया था। इस दौरान इंशाश राइफल से निकली गोली उनके गर्दन और सर से पार हो गई। घटना के बाद वहां मौजूद अधिकारीयों ने जवान को स्पर्श हॉस्पिटल में भर्ती किया कराया गया जहां इलाज के दौरान ही उनकी मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक इस जवान की अंतागढ़ में पोस्टिंग थी। बतादें कि ये जवान नारनूल जिला महेंद्रगढ़ हरियाणा का निवासी है।

एक जमाना वह भी था रेलवे का

श्रीकंचनपथ

बात बहुत पुरानी नहीं है। 70 और 80 के दशक के आरंभ में भी ट्रेन यात्रा कमोबेश ऐसी ही थी। उन दिनों साधारण मध्यवित्त परिवार का मतलब था पति-पत्नी, तीन-चार बच्चे, एक दादी या नानी। जब यह पूरा परिवार दुर्गा पूजा या गर्मियों की छुट्टियों में गांव जाता था तो दृश्य देखने योग्य होता था। स्टील के ट्रंक और बिस्तर बंद या होल्डऑल लिए लोग स्टेशन पर ट्रेनों का इंतजार करते मिल जाते थे। पानी के लिए उनके पास रस्सी में फंसी सुराही या छागल हुआ करती थी। छागल कैन्वस का बना एक थैला होता है जिसमें पानी रखा जा सकता है। इसे ट्रेन की खिड़की पर टांग दो तो पानी ठंडा होता रहता था। जब पानी खत्म होने लगता तो स्टेशन पर उतर कर उसे भर लाने की होड़ मचती। ट्रेन यात्रा का मतलब था नए लोगों के साथ सफर के दौरान दोस्ती। उनसे लंबी बातचीत। कई बार तो ट्रेनों में शुरू हुआ बातचीत का सिलसिला आगे जाकर रिश्तों में बदल जाता था। लगता है रेलवे वालों को अब उन दिनों की खूब याद आ रही है। रेलवे ने एक योजना बनाई है। इसमें स्टेशन पर बेकार पड़ी कंडम बोगियों को वह किराए पर चढ़ाएगी। इसमें कैन्टीन खोला जाएगा। लोग ट्रेन के भीतर बर्थ और सीटों पर बैठकर ही नाश्ते का लुत्फउठा पाएंगे। उम्मीद तो है कि लोग, खासकर युवा इस नए सेटअप को पसंद करेंगे। दोस्तों के साथ ट्रेन की बर्थ पर बैठना, खाना-पानी और फोटो सेशन करना उन्हें अच्छा लग सकता है। पर अधिकांश के लिए यह नया अनुभव होगा। मिडिल क्लास परिवारों के बच्चे अब जनरल या स्लीपर कोच में यात्रा नहीं करते। उनकी पहली पसंद एसी-2 या कम से कम एसी-3 है। ट्रेन में चढ़ते ही वो अपने बिस्तर पर कब्जा करते हैं और मुंह ढांपकर सो जाते हैं। कुछ बच्चे नॉवल पढ़ते हैं तो शेष सभी मोबाइल फोन में खो जाते हैं। ट्रेनों से जुड़ी इस पीढ़ी की यादें शायद यहीं तक सीमित है। रेलवे की नई योजना से उन्हें भी रेलवे से और गहराई से जुड़ने का मौका मिलेगा। पर सारी बातें आकर ठहर जाती हैं रेलवे कैन्टीन में उपलब्ध सामग्री, उसका स्वाद और उसकी कीमत पर। रेलवे का जोर स्वाद पर कम और ग्राम पर ज्यादा होता है। समोसा कितने ग्राम का होगा, कचौड़ी किचने ग्राम की होगी, चाय कितना एमएल होगी पर ही सारा फोकस है। रेलवे थोड़ा सा ध्यान ताजा, गर्म और स्वाद पर भी दे दे तो उसकी कोच रेस्तरां स्कीम चल निकलेगी। रेलवे कोच रेस्तरां को आकर्षक बनाने के लिए कोच के एक हिस्से में रेल प्रदर्शनी की भी व्यवस्था किये जाने की योजना है। रेलवे चाहता है कि ये रेस्तरां 10 साल के लिए लीज पर दिये जायें और सरकार चाहती है कि इसमें युवाओं को रोजगार मिले। पर क्या युवा एक नई अवधारणा पर 10 साल के लिये पैसा लगाने का रिस्क लेगा?

संपादकीय

प्रतिमा का ढह जाना

महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के राजकोट किले में चंद माह पहले स्थापित छत्रपति शिवाजी महाराज की 35 फुट ऊंची प्रतिमा के धराशायी होने की घटना सिर्फ इसलिए दुखद नहीं है कि यह प्रतिमा हमारे एक महानायक की महान स्मृतियों से जुड़ी थी और इससे भारतीय नौसेना की साख भी जुड़ी हुई थी, बल्कि यह इसलिए भी गंभीर चिंता की बात है कि इससे हमारे सार्वजनिक निर्माण-कार्यों की गुणवत्ता की कलई खुल गई है। गौर कीजिए, इस प्रतिमा के निर्माण पर करीब 3,600 करोड़ रुपये की लागत आई थी और इसी 4 दिसंबर को नौसेना दिवस पर इसका अनावरण किया गया था।

> यह अच्छी बात है कि महाराष्ट्र सरकार ने और खुद नौसेना ने भी अपने तईं इस घटना की जांच-पड़ताल के लिए टीमें गठित की हैं और इस प्रतिमा के निर्माण से जुड़ी कंपनी के मालिक व संबंधित अधिकारी के खिलाफएफआईआर दर्ज कर ली गई है। प्रतिमा को दुरुस्त कर पुनर्स्थापित करने की कोशिशें भी की जा रही हैं।

वैसे तो पूरे देश में ही छत्रपति शिवाजी के प्रति गहरे सम्मान का भाव पाया जाता है, मगर महाराष्ट्र और मराठा संस्कृति के लिए वह एक प्रतीक पुरुष हैं। आम मराठी भावनात्मक रूप से उनसे जुड़ा है। ऐसे में, राजकोट किले की इस घटना पर राजनीतिक हंगामा खड़ा होना ही था। तब तो और, जब चंद महीने बाद ही राज्य में विधानसभा चुनाव होने वाला हो और एक मजबूत विपक्षी पार्टी शिव सेना की पूरी राजनीति शिवाजी के शौर्य व आत्म-गौरव से प्रेरित रही हो। स्वाभाविक ही उसने तथा महाविकास अघाड़ी ने इस योजना में भारी भ्रष्टाचार के आरोप लगाने शुरू कर दिए हैं और इसे शिवाजी के अपमान के रूप में पेश किया जाने लगा है। राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार को इस मामले में त्वरित कार्रवाई करके दोषियों को कड़ी सजा दिलानी चाहिए, ताकि न सिर्फ विपक्ष के आरोपों की धार को वह कुंद कर सके, बल्कि सार्वजनिक निर्माण में किसी किस्म की लापरवाही या उदासीनता बरतने वालों को भी यह संदेश मिल सके कि वे बख्शे नहीं जाएंगे।

निस्संदेह, यह पहली घटना नहीं है, जिसमें किसी बड़ी निर्माण योजना की कमी यूं उजागर हुई है। मई 2023 में उज्जैन के महालोक कोरिडोर में लगी सप्तऋषियों की मूर्तियां भी इसी तरह आंधी-तूफान में धराशायी हो गई थीं। इसी मानसून में बिहार में नए-पुराने पुलों के ढहने का सिलसिला मीडिया में सुर्खियों में रहा। कहीं नई बनी सड़कें धंस रही हैं, तो कहीं हवाई अड्डे के छज्जे टूटकर गिर जा रहे हैं। जाहिर है, इनकी वजहों को समझने के लिए किसी नजूमी की जरूरत नहीं है। निर्माण सामग्रियों की गुणवत्ता से समझौता और राजनीतिक दबाव में जल्द से जल्द कार्य पूरा करने की प्रवृत्ति ने ऐसी दुर्घटनाओं की गति बढ़ाई है। इसके लिए समूचे तंत्र को अपनी कार्य-संस्कृति पर गौर करने की जरूरत है। इसके साथ ही महापुरुषों की प्रतिमा लगाने के बारे में भी अब गहन विमर्श होना चाहिए। शिवाजी की प्रतिमा के तेज हवा में यूं ढह जाने से हमें सबक सीखने की जरूरत है कि हर जगह प्रतिमा लगा देने भर से पुरखों का सम्मान नहीं होता। उनके मूल्यों की शिक्षा और संस्कार के केंद्र कहीं ज्यादा दीर्घकाल तक हमारे बीच उनकी प्रासंगिकता बनाए रखेंगे। इसलिए संसाधनों का उपयोग ऐसे निर्माण में हो, जो आठ सदी बाद भी पीढ़ियों को उनकी याद दिलाए और निर्माण-कार्य में हुई चूक उसके इतिहास का हिस्सा न बन सके।

जितनी आबादी उतना हक?

अजय दीक्षित

कई विपक्षी दल जातिगत जनगणना की बात करते हैं। उनका मानना है कि जो जिस जाति का है उसे उतना हक़ मिलना चाहिए। परन्तु ये दल यह नहीं बतलाते कि यह हक़ किन क्षेत्रों में मिलेगा। समतावादी समाज में सभी को पढ़ने का या सीखने का, या कौशल प्राप्त करने का समान अवसर मिलना चाहिए। उसके बाद ओपन कंप्टीशन में योग्यता के आधार पर चयन होना चाहिए।

हक़ किस क्षेत्र में शायद मुख्य मुद्दा सरकारी नौकरियों में हैं। परन्तु वहां तो पहले से ही एस.सी., एस.टी., पिछड़ों, गरीब सवर्ण सवर्णों और शारीरिक रूप से अक्षम को आरक्षण है। फिर क्या व्यापर में हक़ की बात की जा रही है। एक बाजार में कितनी दुकानें सवर्णों की होगी, कितनी एस.टी. वालों की?

सरकारी नौकरियों में पहले से ही आरक्षण है। इसका एक दुष्परिणाम यह भी देखने को मिलता है कि आरक्षण के कारण जूनियर अपने पहले के सीनियर से उसका बॉस बन जाता है। यह सरकारी काम क्षमता में एक रोड़ा है। असल में अभी केन्द्र ने कुछ पदों के लिए ओपिन कंप्टीशन से विशेषज्ञों की नियुक्तियों के लिए यू.पी.एस.सी. के मार्फत विज्ञापन निकाला है। डिप्टी सेक्रेटरी, डायरेक्टर और जॉइंट सेक्रेटरी के लिए है।

असल में देश संचालन में कुछ क्षेत्रों में विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है। यू.पी.एस.सी. ने मात्र 35 या 40 पदों के लिए विज्ञापन दिया था जो डिप्टी सेक्रेटरी, डायरेक्टर और जॉइंट सेक्रेटरी के लिए था। विपक्षी मात्र विरोध के लिए विरोध कर रहा है। इनको चिराग पासवान। नीतीश कुमार का भी समर्थन है, चिराग पासवान के पिता रामविलास पासवान मौसम विज्ञानी कहे जाते थे। वे कांग्रेस की सरकार में भी मंत्री थे और भाजपा की सरकार में भी। कोई सरकारी कर्मचारी यदि दूसरी शादी करता है तो उसकी नौकरी चली जाती है। परन्तु रामविलास पासवान को दोनों शादियों से बच्चे हैं। चिराग पासवान के पास मात्र पांच सांसद हैं। बिहार में उनको कोई बहुत समर्थन नहीं हैं। उनके चाचा, जे.डी.यू. और लालू यादव का विरोध उन्हें सहना पड़ेगा। नीतीश कुमार पल्लू राम के नाम से प्रसिद्ध है।

मोदी जी देश में केवल चार जाति मानते हैं। उन्होंने ज्ञान के अनुसार गरीब युवा, अन्नदाता और नारी ये चार जातियां बतलाई हैं। बिहार की पार्टियां लोहिया जी का नाम लेती हैं जो जाति तोड़ो के पुरोधा थे। इन पार्टियों को जरा लोहिया साहित्य ठीक से पढ़ लेना चाहिए।

मोदी जी को किसी से भी डर नहीं होना चाहिए। वे निर्भीक होकर शासन करें। बहुत से स्वतंत्र सांसद सरकार के साथ हैं। किसी स्थिति में डी.एम.के. भी साथ दे सकता है। नहीं तो यदि संसद भंग करके मोदी जी पुनः चुनाव करायें तो इस बार 400 पार नहीं, 500 पार सीटें भाजपा को मिलेगी और मोदी जी पूरे दमखम से राज करते हुए देश को विश्व का सिरमौर बनायेंगे।

(ये लेखक के विचार हैं)

नजरिया

बलूचों का विद्रोह ही नहीं, दूसरे कई तनाव भी पाकिस्तान में

साल 2006 में मार गिराए गए बलूच नेता नवाब अकबर शाहबाज खान बुगती की बरसी पर पिछले दो-तीन दिनों में पाकिस्तान के बलूचिस्तान में कई हिंसक हमले हुए हैं। पुलिस स्टेशन, रेलवे स्टेशन, आर्मी कैंप को तो निशाना बनाया ही गया है, उत्तरी बलूचिस्तान में एक बस में यात्रियों के पहचान-पत्र देखने के बाद 20 से अधिक पंजाबियों की हत्या भी की गई है।

सुशांत सरीन, सीनियर फेलो, ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन

पहली बार इतनी बर्बरता के साथ हमले हो रहे हैं। उत्तरी बलूचिस्तान की घटना का संकेत इसलिए भी अधिक गहरा है, क्योंकि यह इलाका पश्तून बहुल है और यहां तालिबान से जुड़े गुटों का दबदबा रहा है। बलूच मुख्यतः मध्य, पश्चिम और निचले बलूचिस्तान में सक्रिय रहे हैं। ऐसे में, बिना स्थानीय सांठ-गांठ के यहां हिंसक कार्रवाई नहीं की जा सकती। मतलब साफ है कि अब तालिबानी पश्तून और बलूच अलगाववादियों में करीबी बढ़ने लगी है।

पंजाबियों का कत्ल निंदनीय है, पर सवाल यह है कि बलूच आखिर क्यों इस हद तक उतर आए हैं? दरअसल, वे मानते हैं कि पंजाबी उनके इलाकों में आकर बस रहे हैं, उनकी संस्कृति खत्म कर रहे हैं, उनके संसाधनों पर कब्जा कर रहे हैं और उनकी जनसांख्यिकी प्रभावित कर रहे हैं। गौरतलब है, बलूचिस्तान कभी गैस का एक भंडार हुआ करता था, लेकिन यहां से निकलने वाली गैस पंजाब, सिंध और कराची तक तो पहुंच जाती थी, पर बलूचिस्तान खुद इससे महरूम रहता था। इन्हीं सब कारणों से बलूच पंजाबियों को निशाने पर लेने लगे हैं। हालांकि, यह एकतरफा कार्रवाई नहीं है। पंजाब जाने वाले बलूच नौजवानों के साथ भी तमाम तरह के दुर्व्यवहार किए जाते हैं। उन्हें सरकारी एजेंसी या अधिकारी उठा ले जाते हैं।

बलूचिस्तान में 1947 से बाद से यह पांचवीं बड़ी बगावत है। इस विप्लव की शुरुआत वैसे तो साल 2000-01 में ही हो गई थी, पर नवाब बुगती की हत्या के बाद इसमें काफी तेजी आई है। अफगानिस्तान पर तालिबान के शासन ने भी इस आंदोलन को धार दी है, क्योंकि विद्रोही उन्हीं हथियारों से लैस हैं, जो अमेरिका कभी अफगानिस्तान में इस्तेमाल करता था। बलूच विद्रोहियों को पैसों की भी कमी नहीं, क्योंकि प्रवासी बलूच से उन्हें काफी मदद मिल जाती है। यह भी कम दिलचस्प नहीं है कि बलूच राष्ट्रवादी काफी पढ़े-लिखे हैं। बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट के नेता अल्लाह नजर बलूच खुद एक गोल्ड मेडलिस्ट डॉक्टर हैं और यहां नेतृत्व की भूमिका में कई उच्च शिक्षित महिलाएं भी हैं, जैसे डॉक्टर मेहरंग बलूच। इन्होंने बंदूकें इसलिए उठाईं, क्योंकि बलूचिस्तान मानव विकास के तमाम सूचकांकों में काफी नीचे है। पाकिस्तानी फौज यहां की सरकार तय करती है, जिससे लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन होता है। यहां तक कि उन्हें अपना पहनावा भी नहीं पहनने दिया जाता। स्कूलों में बलूच भाषा भी नहीं पढ़ाई जाती। वैसे, यहां का एक तबका राजनीतिक गतिविधियों के सहारे भी बगावत कर रहा है। पिछले दिनों 'बलूच नेशनल गैदरिंग' के तहत मानो पूरा बलूचिस्तान ग्वादर में जमा हो गया था और अपने अधिकारों की मांग कर रहा था।

हालांकि, पाकिस्तान के अंदर सिर्फ बलूचिस्तान में ही तनाव नहीं है। उत्तरी हिस्से में पश्तून भी उत्तेजित हैं, क्योंकि उनका आरोप है कि आतंकियों के खिलाफ पाकिस्तानी फौज जो कार्रवाई करती है, उसका खामियाजा स्थानीय लोगों को भुगतना पड़ता है, क्योंकि आतंकी भागकर अफगानिस्तान में चले जाते हैं। इसी तरह, पंजाब में राजनीतिक तनाव चरम पर है, क्योंकि इमरान खान अब भी जेल में हैं और निष्पक्ष चुनाव न होने के कारण लोगों का सरकार पर भरोसा नहीं बन सका है। पाकिस्तान के कब्जे वाली कश्मीर के मुजफ्फराबाद में हमने चंद महीने पहले बड़ा उबाल देखा था और लोग हुकूमत की नीतियों के खिलाफ सड़कों पर उतर आए थे।

उधर गिलगित-बाल्टिस्तान में भी शिया-सुन्नी के बीच तनाव बना हुआ है। कुर्रम एजेंसी में तो बीते दिनों दोनों गुटों के एक फसाद में 70-80 लोग मारे गए थे। कराची के अंदर भी जातीय तनाव बना हुआ है, जबकि सिंध में धीरे-धीरे हिंदू राष्ट्र की मुहिम रफ्तार पकड़ने लगी है। फिर भी, यह कहना गलत नहीं होगा कि बलूचिस्तान का तनाव ज्यादा गहरा है, क्योंकि यहां विद्रोह को कुचलने की नीति पाकिस्तान पर भारी पड़ती दिख रही है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सराहनीय है एकीकृत पेंशन योजना

डॉ. पीएस वोहरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए पेंशन की एक नयी योजना को मंजूरी देकर बेहद अहम पहल की है। इस योजना को एकीकृत पेंशन योजना (यूनिफाइड पेंशन स्कीम- यूपीएस) का नाम दिया गया है तथा यह आगामी वित्त वर्ष के प्रारंभ में यानी एक अप्रैल, 2025 से लागू हो जायेगी।

इस योजना से केंद्र सरकार के 23 लाख कर्मचारियों व उनके परिवारों को प्रत्यक्ष रूप आर्थिक फायदा मिलेगा। ज्ञात रहे कि देश में बीते कई वर्षों से सरकारी कर्मचारियों के लिए वाजपेयी सरकार द्वारा 2004 में शुरू की गयी नयी पेंशन स्कीम के प्रति असंतोष व्याप्त था। मोदी सरकार के पिछले कार्यकाल के दौरान विपक्षी दलों ने इसे एक राजनीतिक मुद्दा बनाया और कुछ राज्यों में पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) को फिर से लागू कर दिया गया। सबसे पहले यह घोषणा राजस्थान में कांग्रेस की गहलोत सरकार ने की थी। इसका दबाव केंद्र सरकार पर लगातार बना रहा था। पिछले वित्त वर्ष 2023 के केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने टीवी सोमनाथन की अध्यक्षता में पेंशन की नयी योजना बनाने के संबंध में एक कमिटी बनाने की घोषणा की थी। इस कमेटी को अपना एक प्रारूप इस साल लोकसभा चुनाव से पहले पूर्व प्रस्तुत करना था, जो नहीं हो पाया। मोदी सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने से पहले ही एक नयी और बेहतरीन योजना को मंजूर कर दिया।

इस नयी पेंशन योजना के आने के बाद से एक चर्चा जोरों पर है कि क्या सरकार पुरानी पेंशन योजना, जो अंग्रेजों के दौर से शुरू होकर 2004 तक तक लागू रही, की तरफवापस मुड़ रही है। इस पक्ष पर यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि सरकार की ऐसी कोई योजना नहीं है। ज्ञात रहे कि पुरानी पेंशन योजना के अंतर्गत सरकारी कर्मचारियों को अपनी सेवा के कार्यकाल के दौरान पेंशन कोष में कुछ भी अंशदान नहीं देना होता था तथा सेवानिवृत्ति पर पेंशन और मृत्यु होने पर परिवार को मिलने वाली पेंशन 100 प्रतिशत सरकारी अंशदान के माध्यम से ही प्राप्त होती थी। स्वतंत्र भारत में इस योजना को 57 साल तक उपयोग में लाया गया। वर्ष 2004 में इसे समाप्त कर एक ऐसी पेंशन योजना को लागू किया गया, जिसमें सरकारी कर्मचारियों को अपनी सेवा के कार्यकाल के दौरान पेंशन हेतु अपने वेतन का एक हिस्सा नियमित रूप से अंशदान के रूप में देना था।

अब 2025 से लागू होने वाली यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) में भी सरकारी कर्मचारियों को 2004 की नयी पेंशन स्कीम की तरह ही अपने वेतन का 10 प्रतिशत अंशदान पेंशन कोष में जमा करवाना होगा, पर अब इसमें सरकार का अंशदान और बढ़ेगा। यह समझना जरूरी है कि सरकारी कर्मचारियों को पेंशन हेतु अपना अंशदान जमा करवाना होगा, उसमें कोई रियायत नहीं दी गयी है। बीस वर्षों के बाद भारत में सरकारी कर्मचारियों को पेंशन के संबंध में यूपीएस के रूप में एक नयी योजना उपलब्ध हुई है, जो 2004 की नयी पेंशन स्कीम से कई मामलों में बहुत बेहतर है। मसलन, अब सरकारी कर्मचारियों को एक निश्चित रकम की गारंटी पेंशन के रूप में उपलब्ध होने की रहेगी, जो कि एनपीएस में नहीं थी, जबकि कर्मचारी अपने वेतन का 10 प्रतिशत अंशदान के रूप में दे रहा था।

इस नयी योजना के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया है कि 25 वर्ष तक काम करने के बाद ही अंतिम वर्ष के मूल वेतन का 50 प्रतिशत हिस्सा हर हालत में पेंशन की रकम के रूप में मिलेगा। वहीं अगर सेवा 25 वर्षों से कम की है, तो पेंशन की रकम सेवा के वर्षों के अनुपात में निश्चित होगी। इस योजना का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि अगर सेवा न्यूनतम 10 वर्षों के लिए की गयी है, तो मासिक पेंशन की रकम 10,000 रुपये निश्चित रहेगी। यह बहुत सराहनीय है। एक अन्य सकारात्मक पक्ष यह भी है कि पेंशनधारी की मृत्यु होने पर मासिक पेंशन का 60 प्रतिशत हिस्सा पारिवारिक पेंशन के रूप में कर्मचारी के प्रतिनिधि को प्रति माह मिलेगा। इस योजना के अंतर्गत महंगाई भत्ते को भी पेंशन की रकम में सम्मिलित किया गया है, जो एनपीएस में नहीं था। हर तीन वर्ष के बाद पेंशन फंड में सरकारी अंशदान की सीमा की बढ़ोतरी के लिए मूल्यांकन किया जायेगा, जो वर्तमान में 18.5 प्रतिशत पर निश्चित किया गया है। कर्मचारी का अंशदान भविष्य में 10 प्रतिशत ही यथावत रहेगा, उसमें इससे अधिक की बढ़ोतरी नहीं होगी।

ऐसे प्रावधानों से यह बिल्कुल स्पष्ट है कि मोदी सरकार की यह पेंशन योजना 2004 की पेंशन योजना का एक बेहतर विकल्प है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि 2004 की योजना से इस योजना में आने वाले कर्मचारियों को एरियर के रूप में भी भुगतान किया जायेगा, जिसका आर्थिक खर्च करीब 800 करोड़ रुपये का होगा। जहां तक पूर्ववर्ती योजना से एकीकृत पेंशन योजना की तुलना का प्रश्न है, तो यह बताना जरूरी है कि मोदी सरकार ने इस योजना के द्वारा पूरी कोशिश की है कि पुरानी पेंशन योजना के लाभों को वापस कर्मचारियों को उपलब्ध कराया जाए। परंतु फिर भी कुछ आयामों पर आज भी पुरानी पेंशन योजना तुलनात्मक रूप से सरकारी कर्मचारियों के लिए ज्यादा सहानुभूति रखती है।

एक, उसमें न्यूनतम 20 वर्षों के बाद वेतन के 50 प्रतिशत की रकम का पेंशन के रूप में मिलना निश्चित था, जो अब 25 वर्ष है। दूसरा, यूनिफाइड पेंशन स्कीम के अंतर्गत सेवानिवृत्ति पर मिलने वाली ग्रेच्युटी की रकम पुरानी पेंशन योजना की तुलना में लगभग 30 प्रतिशत से कम रहेगी, जो इस योजना के अंतर्गत आने वाले सरकारी कर्मचारियों के लिए एक आर्थिक नुकसान होगा। लेकिन दूसरी तरफ इस योजना में पुरानी पेंशन योजना की तुलना में कुछ बेहतर पक्ष भी हैं, जैसे- फैमिली पेंशन के अंतर्गत अब 60 प्रतिशत का हिस्सा दिया जायेगा, जबकि पहले यह 30 प्रतिशत ही था और न्यूनतम पेंशन की सीमा को भी 9,000 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये कर दिया गया है। निश्चित रूप से कर्मचारियों द्वारा इस योजना का स्वागत होगा, पर अधिक उम्मीद होने के कारण कुछ निराशा भी हो सकती है। पेंशन का मुद्दा अभी भी राजनीतिक रहेगा क्योंकि पुरानी पेंशन योजना को कुछ राज्यों ने पहले से ही लागू किया हुआ है। शायद वे राज्य इस तरफ नहीं मुड़ना चाहेंगे। ऐसे में कुछ राज्यों के आगामी चुनाव में पेंशन की योजना पर चर्चा होती रहेगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

विश्वविद्यालय अपने संसाधन खुद जुटाएं

जब हर चीज और हर सेवा को कारोबार मान लिया गया है, तो विश्वविद्यालय प्रशासनों का यह सोचना बेज़ा नहीं है कि संपत्तियों का अधिक से अधिक मौद्रिक मूल्य प्राप्त किया जाए। उन संपत्तियां को भी जो मुफ्त में विश्वविद्यालयों को दी गई थीं। अमेरिका में मशहूर विश्वविद्यालयों द्वारा अपनी जमीन या अन्य संपत्तियों को बेचने की खबरें कई वर्षों से चर्चित हैं। आज की कारोबारी भाषा में इन्हें संपत्ति को मोनेटाइज करना कहा जाता है। नव-उदारवादी दौर में जब हर चीज और हर सेवा को कारोबार मान लिया गया है, तो विश्वविद्यालय प्रशासनों का यह सोचना बेज़ा नहीं है कि संपत्तियों का अधिक से अधिक मौद्रिक मूल्य प्राप्त किया जाए। यह दीगर बात है कि कभी जब शिक्षा को सामाजिक जरूरत माना जाता था, तब सार्वजनिक स्वामित्व वाली संपत्तियां मुफ्त में या बेहद रियायती दरों पर विश्वविद्यालय को दी गई थीं। बहरहाल, अब यह ट्रेंड भारत पहुंच गया है। दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) अपनी दो संपत्तियों को बेचने की तैयारी में है। तर्क है कि विश्वविद्यालय गंभीर वित्तीय संकट में है। इसलिए विश्वविद्यालय ने अपनी दो संपत्तियों- गोमती गेस्ट हाउस और 35, फिरोज शाह रोड को बेचने की योजना बनाई है। इसके अलावा शिक्षा मंत्रालय को पत्र लिख कर जेएनयू ने अपनी संपत्तियों पर चल रहे 12 राष्ट्रीय संस्थानों का किराया मांगने का इरादा भी जताया है।

शिक्षक संगठनों ने उचित ही इस कथित वित्तीय संकट के लिए सरकारी नीति को जिम्मेदार ठहराया है। उनके मुताबिक जब मुद्रास्फीति के अनुपात में सरकार उच्च शिक्षा का बजट नहीं बढ़ा रही है, तो ऐसी स्थिति आनी ही है। गौरतलब है कि केंद्र पहले ही शोध अनुदान, लाइब्रेरी फंड आदि में कटौती कर चुका है। सवाल है कि इस नीति का क्या परिणाम होगा? जाहिर है, धीरे-धीरे यह सोच लागू कर दी जाएगी कि विश्वविद्यालय अपने संसाधन खुद जुटाएं। नतीजतन शिक्षा इतनी महंगी हो जाएगी कि वह आम परिवारों की पहुंच से बाहर हो जाएगी। मेडिकल, इंजीनियरिंग और अन्य तकनीकी शिक्षा के मामले में ऐसा पहले ही हो चुका है। अब सामान्य शिक्षा को भी सुविधा-संपन्न तबकों का विशेषाधिकार बनाया जा रहा है। इसका एक परिणाम यह भी होगा कि देश सामान्य परिवारों से आने वाली प्रतिभाओं की सेवा से वंचित हो जाएगा। इस सिलसिले में यह तथ्य सबको याद रखना चाहिए कि शिक्षा, शोध और विज्ञान में बिना सार्वजनिक बड़े निवेश के कोई समाज आगे नहीं बढ़ा है।

खौफ भी पैदा किया और आश्वस्त भी किया सरकार ने

सुनील दास

देश में कई गृहमंत्री हुए हैं, सबकी अपने समय की चुनौतियां थी, सबने अपने समय में काम भी किया लेकिन उनमें अमित शाह सबसे अलग गृहमंत्री हैं। उनके काम करने का अपना तरीका है। वह कोई भी काम हाथ में लेते हैं तो सबसे पहले यही सोचते हैं, इसमें सफल कैसे हुआ जा सकता है। सफल होने में कितना वक्त लगेगा। वह लक्ष्य तय करते हैं,उसे पाया कैसे जा सकता है,तय करते हैं। उसके बाद अथक मेहनत खुद भी करते हैं और सबको करने को कहते भी हैं। एक बार उन्होंने लक्ष्य तय कर दिया तो वह यूं ही तय नहीं करते हैं और जब वह लक्ष्य पाने का समय तय कर देते हैं तो इसका मतलब होता है कि इसे पाया जा सकता है और तय समय में ही हासिल भी करना है।

अमित शाह ने अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान अगर कहा है कि मार्च 2026 तक नक्सलवाद को देश से खत्म कर देंगे तो यह संभव है,जिन लोगों को यह लक्ष्य दिया गया है, अब यह उनकी जिम्मेदारी है कि इसे तय समय में हासिल करना है। अमित शाह ने कह दिया है तो वह जानते हैं कि इसे तय समय में हासिल किया जा सकता है। वह यह भी जानते हैं कि इसे कैसे हासिल किया जा सकता है। इसके लिए उन्होंने साफ -साफ कह दिया है कि लोकतंत्र में सबसे बड़ा चैलेंज वामपंथी उग्रवाद है। नक्सली हथियार छोड़ते हैं तो हम उनकी चिंता करेंगे। नक्सली सरेंडर नही करेंगे तो पाताल से भी ढूंढकर उनको मारेंगे। उन्होंने यह भी साफ कर दिया है कि सरकार की प्राथमिकता नक्सली कैडर को सरेंडर करने का मौका देना है।इसके लिए साय सरकार नई सरेंडर पालिसी लाएगी। तेंदूपत्ता की खरीदी में नक्सली फंडिग की गुंजाइश को देखते हुए नई खरीद नीति भी बनाई जाएगी। नक्सलियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई में तेजी लाने के लिए एनआईए की तर्ज पर राज्य जांच एजेंसी को मजबूत किया जाएगा।

अमित शाह की खूबी यह है कि उन्होंने यह बात जल्द जान ली कि नक्सलियों के सफाए के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है उनमें खौफ पैदा करना कि तुमको मारा जा सकता है, तुम्हारा सफाया किया जा सकता है। उन्होंने छत्तीसगढ़ मे ऐसा करके दिखाया। इसके लिए सबसे पहले जरूरी था कि नक्सलियों के प्रभाव वाले क्षेत्र में कैंप खोलना। इससे नक्सलियों का दबदबा व प्रभाव कम हुआ तो इन कैंपों का उपयोग कैंप के आसपास के गांवों में विकास के लिए किया गया और गांवों की सुरक्षा के लिए किया गया। इससे क्षेत्र में नक्सलियों का खौफ कम हुआ और वह सब सूचनाएं पुलिस व जवानों को मिलने लगी जिससे नक्सलियों पर हमला करना संभव हुआ है, दो अंकों में उनको मारना संभव हुआ। मोदी सरकार के पहले यही सुनने को यही मिलता था कि नक्सलियों के हमले मे जवान मारे गए, यह कभी सुनने को नहीं मिलता था कि जवानों ने घेरकर नक्सलियों का मारा है।

एक दो नहीं कई बार नक्सलियों को उनके प्रभाव वाले इलाके में जवानों ने घेरकर मारा तो नक्सलियों में यह खौफ पैदा हुआ कि उनको मारा जा सकता है। अब तक नक्सलियों का मारा नहीं जा सकता था इससे गांवों में उनका खौफ भी कम नहीं होता था। ग्रामीणों की लगता थी हमेशा इनका राज ही रहने वाला है, इसलिए उनके खिलाफ कुछ कहने या करने से बचते थे। एक बार ग्रामीणों को लगा कि यह सरकार नक्सलियों का सफाया कर सकती है तो वह भी नक्सलियों के खिलाफ बोलने व करने लगे। बगैर ग्रामीणों के सहयोग से बस्तर में नक्सलियों का संभव ही नहीं था। जवानों को जो सफलता मिल रही है वह ग्रामीणों में नक्सलियों का खौफ कम होने का भी परिणाम है। अमित शाह जानते थे एक बार नक्सलियों में खौफ पैदा हो गया तो फिर बस्तर में नक्सलियों की संख्या कम की जा सकती है। क्योंकि जैसे ही नक्सलियों में यह खौफ पैदा होगा वह सरेंडर करेंगे सामने आएंगे।

ऐसा ही हुआ है साय सरकार के समय सात महीने में 147 नक्सली मारे गए हैं, और 631 ने सरेंडर किया है तो साफहै कि 147 नक्सलियों के मारे जाने से जो खौफ पैदा हुआ है उसके कारण 631 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इस हिसाब से देखा जाए तो बस्तर में नक्सलियों की संख्या सात महीनें में 778 होती है, इसमें गिरफ्तार लोगों की संख्या जोड़ दी जाए तो यह संख्या हजार से ज्यादा होती है। यानी बस्तर में नक्सलियों में कम होने की संख्या हर माह सौ भी मान ली जाए तो साल में 1200 होती है और पांच साल मे पांच हजार से ज्यादा होती है। यानी बस्तर से लगभग नक्सलियों का सफाया हो जाएगा।

हर माह साय सरकार 21 नक्सली मारती है तो 79 नक्सली सरेंडर करेंगे। यह कोई बड़ा लक्ष्य नहीं है। इसलिए अमित शाह विश्वास से कह रहे है कि मार्च 26 तक हम नक्सलियों का सफाया कर देंगे।ऐसा भी नहीं है कि अमित शाह ने खाली नक्सलियों का सफाया करने के लिए उनको मारने का आदेश दे दिया है, वह भी जानते हैं कि नक्सली संगठन में ज्यादा लोग क्षेत्र के ही हैं, वह तो चाहते हैं कि जो क्षेत्र के लोग हैं, वह सरेंडर कर दें। वह क्षेत्र के लोगों को सरेंडर का पूरा मौका तो देना ही चाहते हैं, साथ ही उनके लिए अच्छी व्यवस्था भी करना चाहते है। सात माह में छह सौ लोगों के सरेंडर करने से साफ है कि गृहमंत्री जैसा चाहते हैं वैसा ही हुआ है तथा आगे भी वैसा ही होगा। पहले तो सरकारे नक्सलियों की संख्या तक कम नहीं कर पाती थी। जितने नक्सली मारे जाते थे, उससे ज्यादा भर्ती कर ली जाती थी अब जितनी तेजी से नक्सलियों की संख्या कम हो रही है, नक्सली उतनी भर्ती भी नहीं कर पा रहे है। यानी नक्सलियों पर जवान भारी पड़ रहे है तो उम्मीद की जा सकती है कि नक्सलियों का सफाया जल्दी ही हो जाएगा। यह उम्मीद साय सरकार के समय ही पैदा हुई है इसलिए साय सरकार की जितनी सराहना की जाए कम है।

(ये लेखक के विचार हैं)

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

मंकी पॉक्स से बचाव के लिए एडवायजरी जारी कलेक्टर ने लोगों को जागरुक करने दिए निर्देश

मंकी पॉक्स को डब्ल्यूएचओ ने 14 अगस्त 2024 को पब्लिक हेल्थ एमरजेन्सी ऑफ इंटरनेशनल कान्स घोषित किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मनोज दानी के मार्गदर्शन स्वास्थ्य अधिकारी सीबीएस बंजारे ने मंकी पॉक्स (एमपॉक्स) नामक बीमारी के बारे में अवगत कराते हुए बताया कि स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा 20 अगस्त 2024 को मंकी पॉक्स (एमपॉक्स) नामक बीमारी के बचाव व रोकथाम हेतु एडवायजरी जारी की गई है।

मंकी पॉक्स (एम पॉक्स) को विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा 14 अगस्त 2024 को पब्लिक हेल्थ एमरजेन्सी ऑफ इंटरनेशनल कान्स (पीएचईआईसी) को घोषित किया गया है। विभिन्न देशों में संक्रमण के प्रसार को दृष्टिगत रखते हुए भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा सर्वेलेंस, जांच एवमं उपचार हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश

जारी किये गए हैं, जिसके अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में भी मंकी-पॉक्स प्रकरणों की सर्वेलेंस, त्वरित पहचान, जांच एवं उपचार हेतु दिशा-निर्देश जारी किये जा रहे है।

जानिए क्या है मंकी-पॉक्स

मंकी-पॉक्स एक जूनोटिक बीमारी है जो मुख्य रूप से मध्य और पश्चिम अफ्रीका के क्षेत्रों में होता है, परन्तु वर्तमान परिदृश्य में कुछ अन्य देशों में प्रकरण प्राप्त हो रहे है तथा भारत के केरल राज्य में मार्च 2024 में प्रकरण प्राप्त हुए है। मंकी-पॉक्स से संक्रमित व्यक्ति को सामान्यतः बुखार, चकत्ते एवं लिम्फ नोड्स में सूजन पायी जाती है। मंकी-पॉक्स एक स्व-सीमित (सेल्फ-लिमिटेड) संक्रमण है, जिसके लक्षण सामान्यतः 2-4 सप्ताह में समाप्त हो जाते हैं। मंकी-पॉक्स संक्रमण के गंभीर प्रकरण सामान्यतः बच्चों में पाए जाते हैं। जटिलताओं एवं गंभीर प्रकरणों में मृत्यु दर 1-10 प्रतिशत है। मंकी-पॉक्स संक्रमण होने एवं लक्षण उत्पन्न होने का इनक्यूबेशन पिरियेड सामान्यतः 6-13 का होता है, परन्तु यह 5 से 25 दिवस तक हो सकता है। मंकी-पॉक्स का संक्रमण त्वचा में चकत्ते आने के 1-2 दिवस पूर्व से लेकर सभी चकत्तों से पपड़ी के गिरने/समाप्त होने तक मरीज के संपर्क में आने वाले व्यक्तियों में फैल सकता है। मंकी-पॉक्स वायरस का संक्रमण पशु से मनुष्य में एवं मनुष्य से मनुष्य में फैल सकता है। मनुष्य से मनुष्य में संक्रमण मुख्य रूप से लार्ज रेस्पिरेटरी सिस्टम के माध्यम से लम्बे समय तक संक्रमित व्यक्ति के निकट संपर्क में रहने से होता है। वायरस का संक्रमण शरीर के तरल पदार्थ घाव के सीधे संपर्क में आने से अथवा अप्रत्यक्ष संपर्क जैसे दूषित कपड़ों, लिनेन इत्यादि के उपयोग से फैल सकता है।

पशुओं से मनुष्यों में संक्रमण का प्रसार गांव के सीधी संपर्क में आने से हो सकता है। मंकी पॉक्स संभावित प्रकरणों के सर्वेलेंस हेतु दिशा निर्देश जारी किए गए है। जिसके अनुसार मंकी पॉक्स के संभावित प्रकरणों का सर्विलांस कर त्वरित पहचान जांच एवं उपचार किए जाने हेतु प्रकरण को आइसोलेट कर संक्रमण का प्रसार रोका जाना, मरीज को उपचार दिया जाना, मरीज के संपर्क व्यक्तियों की पहचान किया जाना, स्वास्थ्य कार्यकर्ता को संक्रमण से बचाव हेतु आगाह किया जाना एवं संक्रमण के नियंत्रण एवं प्रसार को रोकने हेतु प्रभावी गतिविधियां किया जाना आवश्यक है। मंकी-पॉक्स सर्वेलेंस के लिए प्रत्येक संभावित प्रकरण की सूचना जिला सर्वेलेंस इकाई/राज्य सर्वेलेंस इकाई में अनिवार्य रूप से दिया जाना आवश्यक होगा। इसके एक भी पुष्टिकृत प्रकरण को माना जाए एवं जिला स्तरीय रैपिड रिसपॉस टीम द्वारा तत्काल विस्तृत आउटब्रेक इनवेसटिकेशन कर प्रतिवेदन राज्य कार्यालय को प्रेषित किया जाएगा।

सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने वालों पर होगी सख्त कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में नगरीय निकाय के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने अधिकारियों से स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के मानक मापदण्डों के अनुरूप तैयारियों का जायजा लिया। कलेक्टर ने अधिकारियों को स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए नगरीय निकायों में सफाई के साथ-साथ सौंदर्यीकरण पर भी फोकस करने कहा।

उन्होंने कहा कि नगरीय निकायों के वार्डों में स्वच्छता निरीक्षण हेतु अधिकारियों को पांच-पांच वार्डों का भ्रमण कर जानकारी संबंधित सीएमओ को अवगत कराने के दायित्व सौंपे गये हैं।

अधिकारियों द्वारा प्राप्त सुझाव के अनुरूप सुधार करने कहा। उन्होंने निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप सफाई पर विशेष ध्यान रखने को कहा। इसी दौरान उन्होंने नगरीय निकायों में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, सेग्रीगेशन, वेस्ट मैनेजमेंट, सीटी ब्यूटीफिक्केशन इत्यादि विषयों पर भी फोकस कर योजनाबद्ध तरीके से क्रियान्वयन करने अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग को कम करने के लिए विशेष अभियान चलाने की बात कही। उन्होंने कहा सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर रोक लगाने उपयोगकर्ताओं पर चालान लगाये जाए, इसके बावजूद सिंगल यूज प्लास्टिक प्रयोग करते पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही की जाए। बैठक में नगर निगम भिलाई के आयुक्त देवेश ध्रुव, जिला पंचायत के सीईओ अश्वनी देवांगन, सहायक कलेक्टर एम. भार्गव, नगर निगम दुर्ग के आयुक्त लोकेश चन्द्राकर, नगर निगम रिसाली के आयुक्त श्रीमती मोनिका वर्मा, नगर निगम भिलाई चरोदा के आयुक्त दशरथ राजपूत, संयुक्त कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी एवं विरेन्द्र सिंह, सभी एसडीएम, सभी जनपद सीईओ, नगरीय निकायों के सीएमओ सहित समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

खास खबर

तमेर पारा में कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर 56 भोग लगाकर की गई महाआरती

दुर्ग। ताम्रकार महिला समाज द्वारा किल्ला मंदिर तमेर पारा दुर्ग में कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर 56 भोग लगा कर महाआरती किया गया। 56 भोग सभी महिलाएं अपने घरो से तैयार करके लाई थी। कान्हा जी का प्रिय भोग पंजरी, माखन, मिश्री, मिठाई, खीरा सभी प्रकार के फल और बनवट का लड्डू काके पानी विशेष रूप से सम्मिलित था। जिसमे सरस्वती ताम्रकार, चंद्रकुमारी ताम्रकार, पद्मिनी ताम्रकार, मौसमी ताम्रकार, तृप्ति ताम्रकार, सोनिया ताम्रकार, दिव्या ताम्रकार ,उषा ताम्रकार, सुजाता ताम्रकार, डालिमा ताम्रकार ,ज्योति ताम्रकार, नीता ताम्रकार, श्वेता ताम्रकार, सुमन ताम्रकार, राखी ताम्रकार, शैल ताम्रकार, काजल ताम्रकार उपस्थित थे।

70 पदों के लिए 30 अगस्त को प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र दुर्ग द्वारा जिले में नियोजक द्वारा उपलब्ध 70 रिक्त पदों को भरने के लिए 30 अगस्त 2024 को सुबह 10.30 बजे से जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग में प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। प्लेसमेंट कैम्प में नियोजक टोटल कंट्रोल सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सिक्योरिटी गार्ड के 50 उपं सिक्योरिटी सुपरवाईजर के 20 पदों पर भर्ती की जाएगी। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग के उपसंचालक आर.के. कुर्रे से मिली जानकारी के अनुसार इच्छुक आवेदक समस्त शैक्षणिक मूल प्रमाण एवं अंकसूची, पहचान पत्र (मतदाता परिचय पत्र, आधार कार्ड, पेन कार्ड, ड्रायविंग लाइसेंस, राशन कार्ड) रोजगार कार्यालय का पंजीयन पत्रक, छ.ग. निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र के साथ उपस्थित हो सकते है।

भिलाई में इंडियन स्टील कॉन्फ्रेंस का आयोजन कल से

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की इस्पात नगरी भिलाई में, 29 एवं 30 अगस्त 2024 को आयरन एंड स्टील रिव्यूव मैग्जीन-कोलकाता, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मेटल्स (आई आई एम), भिलाई चैप्टर एवं इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) भिलाई सेंटर एवं सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा संयुक्त रूप से, भारतीय इस्पात सम्मेलन : डीकार्बोनाइजेशन और आधारभूत संरचना के विकास का महत्व और भूमिका नामक एक राष्ट्रीय इस्पात सम्मेलन आयोजित की जाएगी। यह 2 दिवसीय सम्मेलन सिविक सेंटर स्थित महात्मा गाँधी कला मंदिर, भिलाई एवं भिलाई निवास में आयोजित की जा रही है। इसमें भाग लेने वाले सभी कंपनियों की सहमति प्राप्त हो चुकी है।

यह सम्मलेन कुल 9 सत्रों में आयोजित किया जायेगा। इस सम्मेलन का शुभारंभ 29 अगस्त 2024 को, सिविक सेंटर कला मंदिर भिलाई में होगा। उद्घाटन के पूर्व 29 अगस्त 2024 को कला मंदिर भिलाई में 08:30 से 09:30 बजे तक सभी प्रतिनिधियों का पंजीकरण किया जायेगा। इस सम्मेलन का प्रथम भाग कला मंदिर में तथा 30 अगस्त 2024 को दूसरा भाग जिसमें आपूर्तिकर्ताओं की बैठक (सप्लायर मीट) होगी, वह भिलाई निवास में आयोजित की जायेगी। इसके लिए भिलाई निवास में दोपहर 2:00 से 2:30 बजे तक सप्लायर मीट के लिए पंजीकरण किया जायेगा।

इस आयोजन में प्रतिभागी कंपनियों और आपूर्तिकर्ताओं द्वारा आयोजित प्रदर्शनी में अपने-अपने स्टॉल भी लगाये जायेंगे। यह प्रदर्शनी कला मंदिर परिसर में आयोजित की जा रही है। इस सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि और अन्य अतिथियों की उपस्थिति में किया जायेगा। उद्घाटन समारोह में सम्मेलन की स्मारिका का अनावरण भी किया जायेगा।

निगम भिलाई द्वारा महत्वपूर्ण लोकेशन के 50 भूखण्ड नीलामी द्वारा आबंटित किये जायेंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा महत्वपूर्ण लोकेशन का भूखण्ड नीलामी के माध्यम से आबंटित किये जायेगे। पूर्व साडा वर्तमान नगर निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत विभिन्न लोकेशन पर प्लाट आबंटन के लिए उपलब्ध है। जिसे शासन से प्राप्त मार्गदर्शन अनुसार भूखण्डो की नीलामी करके अधिकतम बोली दाता को प्लाट आबंटित किये जायेगें।

नगर निगम भिलाई के वेबसाईड पर नगर तथा ग्राम निवेश दुर्ग से अनुमोदित चिन्हित मानचित्र के अनुसार 50 भूखण्ड नीलामी हेतु उपलब्ध है। प्रमुख रूप से नगर निगम भिलाई के जोन-01 नेहरू नगर में मोतीलाल नेहरू नगर पूर्व के 10 भूखण्ड, दक्षिण गंगोत्री व्यावसायिक योजना के 10 भूखण्ड, प्रियदर्शिनी परिसर पश्चिम व्यावसायिक योजना के 4 भूखण्ड है। इसी तारतम्य में जोन-02 वैशाली नगर के जवाहर नगर आवासीय योजना के 6 भूखण्ड एवं जोन-03 मदर टेरेसा नगर आवासीय योजना के 7 भूखण्ड तथा जोन-04 शिवाजी नगर आवासीय योजना के 13 भूखण्ड उपलब्ध है। इस प्रकार कुल 50 भूखण्डो के संबंध में जानकारी नगर निगम के वेबसाईट htpps//eproc.cgstate.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है।

भूखण्ड खरीदने वाले इच्छुक व्यक्ति संबंधित पोर्टल पर अपने पसंद का प्लाट चयन कर सकते है। भूखण्ड के संबंध में अधिक जानकारी की किस प्लाट के लिए, कितनी अमानत राशि जमा करके नीलामी में सहभागी बना जा सकता है, उसका उल्लेख है। भूखण्ड के वास्तविक लोकेशन के बारे में जानकारी जोन के राजस्व अधिकारी से प्राप्त की जा सकती है। गौरतलब है, कि सभी भूखण्ड पूर्णतः रिक्त है, जारी किये गये नक्शे के अनुरूप है। आबंटन की प्रक्रिया शासन द्वारा निर्धारित बाजार मूल्य का 10 प्रतिशत अमानत के रूप में जमा करना अनिवार्य है। उसके बाद नीलामी में भागीदार बना जा सकता है। अधिकतम बोली दाता को भूखण्ड आबंटित किया जायेगा। निर्धारित तिथि के अंदर प्रक्रिया में शामिल होना अनिवार्य है। आबंटन कि प्रक्रिया पश्चात नियमानुसार आबंटिती को भूस्वामीत्व प्रदान किया जायेगा।

सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0 अंतर्गत 1 से 30 सितम्बर तक पोषण माह का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार जिले में सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0 अंतर्गत 01 सितम्बर 2024 से 30 सितम्बर 2024 तक पोषण माह का आयोजन किया जा रहा है। इसी संबंध में आज कलेक्टर सुश्री चौधरी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागृह में बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से अभियान के क्रियान्वयन की विस्तारपूर्वक जानकारी ली। महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी अजय शर्मा ने अवगत कराया कि इस योजना का संचालन 01 अगस्त 2022 से किया जा रहा है। पूर्व वर्षों में आयोजित पोषण माह/पोषण पखवाड़ों में विभिन्न सहयोगी विभागों एवं डेव्हलेपमेंट संस्थाओं का सकिय एवं परिणाममूलक सहयोग प्राप्त होता रहा है। जनसमुदाय तक स्वास्थ्य पोषण एवं स्वच्छता संबंधित व्यापक एवं प्रभावी व्यवहार परिवर्तन हेतु जनआंदोलन के रूप में प्रतिवर्ष राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन किया जा रहा है।

कलेक्टर सुश्री चौधरी ने पोषण माह के प्रभावी सुचारू एवं परिणाममूलक आयोजन तथा गतिविधियों के आयोजन में जनप्रतिनिधियों, पंचायतीराज संस्थाओं के प्रतिनिधियों, स्थानीय निकाय के प्रतिनिधि, सहयोगी विभागों, स्वयं सेवी संस्थाओं, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों की सकिय भागीदारी, महिला स्व-सहायता समूहों, महिला मण्डली, नेहरू युवा केन्द्रों, नेशनल कैडिट कोर, राष्ट्रीय सेवा योजना आदि की सकिय भागीदारी सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी सहयोगी विभागों के मैदानी अमले के मध्य प्रभावी समन्वय स्थापित करते हुए जिला/विकासखण्ड, ग्राम स्तर एवं प्रत्येक केन्द्र स्तर पर पोषण माह का आयोजन किया जाना सुनिश्चित करने कहा। कलेक्टर चौधरी ने कहा कि पोषण माह 2024 का मुख्य उद्देश्य पोषण पंचायतों को सक्रिय करना है, इस हेतु ग्राम स्तर पर सरपंच एवं ग्राम पंचायतों को गतिविधियों का आधार बनाते हुए जनआंदोलन को जनभागीदारी के रूप में परिवर्तित करना है। बैठक के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय पोषण माह 2024 में मुख्य रूप से एनीमिया, वृद्धि निगरानी, पूरक आहार, पोषण भी पढ़ाई भी, बेहतर प्रशासन, पारदर्शिता और कुशल सेवा वितरण के लिए प्रौद्योगिकी, समग्र पोषण इत्यादि थीम्स पर गतिविधियाँ आयोजित कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा पोषण माह 2024 अंतर्गत पंचायतीराज संस्थाओं, नगरीय निकायों, सहयोगी विभागों स्वयंसेवी संस्थाओं, महिला स्व-सहायता समूहों, महिला मण्डलों, युवा समूहों, नेहरू युवा केन्द्रों, राष्ट्रीय सेवा योजना, नेशनल कैडेट कोर आदि के साथ समन्वय कर जिला स्तर पर स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार कार्ययोजना तैयार कर पोषण माह सितम्बर 2024 का प्रभावी आयोजन किया जाए। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देशित करते हुए कहा कि पोषण माह के दौरान की जाने वाली समस्त गतिविधियों को जनआंदोलन के डैशबोर्ड पोर्टल पर अनिवार्यतः उपलब्ध कराई जाए। साथ ही उन्होंने सभी सहयोगी विभागों को भी उनके स्तर से की जा रही गतिविधियों की प्रगति की डाटा एंट्री जनआंदोलन डैशबोर्ड पर नियमित रूप से किया जाना सुनिश्चित करने कहा।

भिलाई चेम्बर का अभियान जिंदगी न मिलेगी दोबारा

स्टूडेंट्स को मिल रही ज्ञानवर्धक जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जिंदगी न मिलेगी दोबारा ' चेम्बर द्वारा युवा पीढ़ी को आत्मनिर्भर, स्वालंबन, स्वरोजगार व स्वास्थ्य विषय पर जागरूक कर रही है। स्कूल व कालेज के छात्रों ने कार्यशाला में बेहतर भविष्य के लिए नए नए उत्प्रेरक विचार सुनकर अपना लक्ष्य तय किया।

जिंदगी न मिलेगी दोबारा कार्यक्रम लगातार अपने दूसरे पड़ाव में एसएनजी विद्यालय सेक्टर4, शंकरा विद्यालय सेक्टर 10 व कुम्हारी आत्मनन्द इंग्लिश विद्यालय कुम्हारी में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में जहां उत्प्रेरक उदबोधन है वहीं ट्रैफिक्र नियमो की उपयोगी जानकारी भी छात्र प्राप्त कर रहे है साथ ही मनोरंजक ज्ञानवर्धक प्रश्नोउतरी कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को पुरस्कृत भी किया जाता है। शंकरा विद्यालय सेक्टर 10 में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने आत्मनिर्भर भारत पर युवाओं को संदेश दिया विकसित भारत मे युवाओं का योगदान होगा।

तीन पीढ़ियों ने विकासशील भारत मे अपना योगदान दिया है अब हम युवा साथियों का दायित्व है कि राष्ट के उत्थान में अपना समर्पण दें। भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्रा ने युवा छात्रों को अवसर का लाभ उठाकर कामयाबी का परचम लहराना है। युवा स्वरोजगार में अपना कैरियर बनाये। उन्होंने कहा कि स्वरोजगार के लिए चेम्बर आपकी सहायता के लिए हमेशा ततपर है।

स्वास्थ्य का विषय छात्रों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इस विषय पर वेलनेस कोच शंकर सचदेव व सुमन कनोजे ने पौष्टिक भोजन की अनिवार्यता व असंतुलित भोजन के दुष्परिणाम पर कहा कि जिस तरह हम अपने वाहन के ईंधन पेट्रोल की जगह मट्टी तेल का उपयोग नही करते तो इस अनमोल शरीर की आवश्यकता को नजर अंदाज कर जंक फूड का इस्तेमाल क्यो करते है।

उन्होंने कहा अगर हम स्वस्थ रहेंगे तो ही देश व समाज के लिए उपयोगी साबित हो संकेंगे। ज्ञानवर्धक प्रश्नोउतरी में छात्रों में अनेक पुरस्कार प्राप्त किये। वृक्षारोपण करके शपथ भी दिलाई गई ।सभी छात्रों व शिक्षकों ने पर्यावरण संरक्षण, बेहतर स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक आहार लेना व आत्मनिर्भर भारत के योगदान में अपने समर्पण की शपथ ली। ट्रैफिक्र नियमों की जानकारी राजमणि ने दी।

इस दौरान सीए राहुल बत्रा ने शिक्षा की दिशा को सही ओर ले जाने की बात की उन्होंने उच्च पदों पर पहुँचने के लिए लगातार प्रयास व सकारात्मक प्रयास पर जोर दिया। मंच संचालन सुनील मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में महेश बंसल, जेपी गुप्ता, रामाधार शर्मा, अनुराग, विशाल राठौर, विजय मिश्रा, गुलशन, विकास पांचाल, अजय निदान सहित अन्स पदाधिकारी शामिल हुए। यह जानकारी जनसंपर्क प्रभारी शंकर सचदेव ने दी।

Since 1972

CROWN® - TV

Choice Of Millions

LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839

Rohit Electronics
94242-02866

Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361

Authorised Distributers For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

न्यायमूर्ति और न्यायाधीश भी समाज के अंग है - प्रमुख लोकायुक्त शर्मा

रायपुर। न्यायिक क्षेत्र में कार्यरत जज एवं जस्टीज समाज के ही अंग हैं वे भी समाज के ही हिस्से है, भले वो न्याय करने की जिम्मेदारी लिए हैं, उन्हें भी समाज के कार्यक्रमों में शिरकत करनी चाहिये। उक्त बातें न्यायमूर्ति प्रमुख लोकायुक्त टीपी शर्मा ने सरयूपारीण ब्राम्हण सभा के वरिष्ठों व विशेष उपलब्धि प्राप्त सदस्यों के सम्मान समारोह में कही।

न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि न्याय की कुर्सी में बैठा व्यक्ति किसी प्रलोभन में नही आता, उसे समाज में सक्रियता दिखानी चाहिये। कार्यक्रम पूर्व विधायक एवं गो सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष महंत डॉ. रामसुन्दर दास के विशेष आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। समाज के अध्यक्ष डॉ सुरेश शुक्ला ने कहा कि उनकी कार्यकारिणी ने 2 वर्ष में अनेक आयोजन किये व भवन विस्तार भी हुआ। वैवाहिक पत्रिका का प्रकाशन भी किया गया। नियमावली भी संशोधित कराई गई, अब सदस्यता जांच की जा रही। कार्यक्रम में समाज के तीन पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षकों का सहस्त्रचन्द्र दर्शन करने पर शारदा प्रसाद तिवारी, टी.डी. त्रिपाठी, रमाकांत शुक्ला का अभिनन्दन किया गया, साथ ही संस्कृत वेद वेदांत व ज्योतिष के क्षेत्र में आचार्य डॉ. दादू भाई त्रिपाठी, यदुवंश मणि त्रिपाठी, मुक्ति नारायण पाण्डेय तथा न्यायिक क्षेत्र में डॉ. सौरभ कुमार पाण्डेय, रमाकांत मिश्रा, सामाजिक क्षेत्र में मनोज शुक्ला, डॉ. विकास द्विवेदी के साथ पत्रकारिता के क्षेत्र में मोहन तिवारी, अनिरुद्ध दुबे, जेपी त्रिपाठी, गौरव शुक्ला, अनिल तिवारी, बृजेश द्विवेदी, अभिषेक शुक्ल,केपी शुक्ल का सम्मान किया गया।

रंग परब में दी लोकनाट्य कलंकार की प्रस्तुति

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग की तरफ से रंग परब का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत मुक्त काशी मंच पर नरेंद्र जलछत्री कृत लोकनाट्य 'कलंकार' का मंचन वरिष्ठ निर्देशक विजय मिश्रा 'अमित' के नेतृत्व में किया गया। नाटक में कलाकारों के जीवन संघर्षों को बखूबी उकेरा गया। बताया गया कि कलाकार को कलंकार कहना अनुचित है। कलाकार समाज के दर्पण होते हैं को विजय मिश्रा ने व्यक्त किया। उन्होंने कहा छत्तीसगढ़ राज्य लोक कलाकारों का गढ़ है। यहां के करीब 29 पद्मश्री विभूतियों में से 18 विभूतियां कला साहित्य जगत से हैं।यह सिद्ध करता है कलाकार समाज के अलंकार होते हैं। नाटक के प्रमुख पात्रों में नचकार बने नरेंद्र जलछत्री, गुरू मां की भूमिका में संतोष यादव, मां बनी मनीषा खोबरागड़े, झगड़ालू औरतें बनीं नूतन रौशनी साहू और हंसोड़ सरपंच बने विजय मिश्रा के अभिनय की भूरी भूरी सराहना दर्शकों ने की। नाटक का ध्वनि पक्ष कमजोर रहा जो कि दर्शकों को बांधे रखने में बाधक बना। नाटक का लोकनृत्य संगीत पक्ष प्रभावित करता रहा।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह करेंगे शुभारंभ, अध्यक्षता करेंगे कृषि मंत्री

कृषि अभियंताओं का दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन कल से

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में सतत विकास के लिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार हेतु कृषि अभियंताओं का योगदानविषय पर 29 से 30 अगस्त 2024 को कृषि अभियंताओं का 36वां राष्ट्रीय सम्मेलन एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन सह संगोष्ठी का शुभारंभ 29 अगस्त को प्रातः 10:45 बजे नवीन सभागृह (कृषक सभागार) में छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह करेंगे। समारोह की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ शासन में कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी मंत्री श्री रामविचार नेताम करेंगे।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, केन्द्रीय भू-जल बोर्ड, भारत सरकार के अध्यक्ष डॉ. सुनील के. अम्बस्ट तथा इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजिनियर्स (इंडिया) के उपाध्यक्ष डॉ. नूतन के. दास उपस्थित रहेंगे। इस राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजिनियर्स (इंडिया) छत्तीसगढ़ स्टेट सेन्टर, रायपुर एवं स्वामी विवेकानंद कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, कृषि अभियांत्रिकी संकाय, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

इस राष्ट्रीय सम्मेलन सह संगोष्ठी में वर्तमान समय में कृषि के विकास हेतु बहु प्रासंगिक विषयों जैसे - इंजीनियरिंग इनपुट का संरक्षण और प्रबंधन, फार्म मशीनरी, कृषि प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन, गैर पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोत, मिट्टी और जल संरक्षण और प्रबंधन आदि पर विस्तृत चर्चा होगी एवं शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। इनमें मुख्यत: कृषि में जुताई-बुआई से लेकर कटाई-मड़ाई एवं प्रसंस्करण की क्रियाओं का मशीनीकरण, ड्रोन का उपयोग, रिमोट सेंसिंग एवं भौगोलिक सूचना प्रणाली का उपयोग, कृषि बागवानी में अत्याधुनिक तकनीकों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रोबोटिक्स एवं आई.ओ.टी. का प्रयोग आदि विषयों पर सार्थक संवाद, प्रदर्शन, प्रस्तुतिकरण एवं विचारों का आदान-प्रदान होगा। जलवायु परिवर्तन एवं कृषि कार्यों के समय पर संपादन में कृषि श्रमिकों की घटती उपलब्धता के परिपेक्ष्य में कृषि अभियंताओं के बढ़ते महत्व एवं कस्टम हायरिंग जैसे क्षेत्रों में उद्यमिता विकास की असीम संभावनाओं पर प्रकाश डाला जाएगा। इस कार्यक्रम में अभियंता, उद्यमी, वैज्ञानिक, उद्योगपति, शोधकर्ता, प्रगतिशील कृषक एवं देश के विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं के विद्वत्तजन शामिल हांगे तथा किसानों की आय बढ़ाने के लिए यथोचित रणनीति को अंतिम रूप देने देंगे।

कार्यक्रम के आयोजन सचिव एवं स्वामी विवेकानंद कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. विनय कुमार पाण्डेय ने बताया कि इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में आई.आई.टी. खडग़पुर के पूर्व प्राध्यापक एवं सी.एस.वी.टी.यू., भिलाई के पूर्व कुलपति डॉ. बी.सी. मल, परभणी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. इंद्रमणी, डॉ. सिंह कुलपति मेरठ विश्वविद्यालय, डॉ. गौड़ कुलपति, वैशाली, बिहार, डॉ. सयाली, सचिव और महानिदेशक, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), कोलकाता, डॉ. ए.के. सिंह, सहायक महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, भारत सरकार, नई दिल्ली डॉ. रमना राव, निदेशक एन.आई.टी., रायपुर, डॉ. मेहता निदेशक, केन्द्रीय कृषि इंजीनियरिंग संस्थान, भोपाल, सहित देश भर के विख्यात विषय विशेषज्ञ शामिल होंगे

निगम आयुक्त ने किया वार्ड का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने नगर निगम जोन क्रमांक 4 के तहत पण्डित भगवती चरण शुक्ल वार्ड नम्बर 57 के क्षेत्र का निरीक्षण किया। आयुक्त ने फनफेस्टा गार्डन की व्यवस्था का निरीक्षण जोन 4 के जोन स्वास्थ्य अधिकारी वीरेन्द्र चंद्राकर की उपस्थिति में किया एवं गार्डन की देखरेख करने वाले वहाँ के निवासी सेवानिवृत्त अधिकारी उपाध्याय एवं वरिष्ठ नागरिकों से गार्डन की व्यवस्था को लेकर चर्चा की। आयुक्त ने फनफेस्टा गार्डन में लान में घास की व्यवस्थित तौर पर कटाई का कार्य शीघ्र करवाने के निर्देश दिए हैँ। आयुक्त ने गार्डन की समुचित रखरखाव करने के सम्बन्ध में निर्देश दिए, ताकि वरिष्ठ नागरिकों एवं महिलाओं, युवाओं, आमजनों को गार्डन की अच्छी व्यवस्था का समुचित लाभ प्राप्त होता रह सके। आयुक्त ने गार्डन में पेयजल प्रबंध, सफाई व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, प्रशाधन व्यवस्था सुचारु बनाये रखने के सम्बन्ध में निर्देशित किया है।

सड़क पर भवन निर्माण सामग्री रखने वाले भवन स्वामी से वसूला जुर्माना

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने वार्ड निरीक्षण के दौरान नगर निगम जोन क्रमांक 4 के पण्डित भगवती चरण शुक्ल वार्ड नम्बर 57 के क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान कटोरा तालाब सतपथी चौक में सड़क पर एक निर्माणाधीन भवन के सामने बड़ी मात्रा में भवन निर्माण सामग्री को रखा गया पाया एवं भवन निर्माण सामग्री के कारण सार्वजनिक नाली की निकास व्यवस्था को पूरी तरह से जाम हो जाना देखा। आयुक्त ने स्थल पर जोन 4 के जोन स्वास्थ्य अधिकारी वीरेन्द्र चंद्राकर को सम्बंधित भवन स्वामी पर जुर्माना लगाने एवं जाम नाली की सफाई करवाने के निर्देश दिए। आयुक्त के निर्देश पर जोन 4 के जोन स्वास्थ्य अधिकारी ने सम्बंधित भवन स्वामी राकेश लाल केशवानी पर सड़क पर भवन सामग्री रखे जाने एवं इसके कारण सार्वजनिक नाली की निकासी व्यवस्था जाम होने के कारण तत्काल 15000 रूपये का सड़क बाधा शुल्क जुर्माना वसूलने की कार्यवाही सम्बंधित को भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी देते हुए की है।

सुलभ शौचालय की सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने नगर निगम जोन क्रमांक 4 के तहत पण्डित भगवती चरण शुक्ल वार्ड नम्बर 57 के क्षेत्र के तहत पेंशनबाड़ा में सुलभ शौचालय की सफाई व्यवस्था का प्रत्यक्ष अवलोकन जोन 4 जोन स्वास्थ्य अधिकारी वीरेन्द्र चंद्राकर की उपस्थिति में किया। आयुक्त ने सुलभ शौचालय की सफाई व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। आयुक्त ने इसी प्रकार सफाई एवं पेयजल व्यवस्था सुचारु बनाये रखा जाना सतत मॉनिटरिंग कर सभी सुलभ शौचालयों में सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए हैं, ताकि आमजनों को जीवन में स्वस्थ परिवेश स्वच्छ वातावरण के मध्य निरन्तर प्राप्त हो सके।

प्रमुख सचिव सोनमणी बोरा ने अस्पताल का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने पीएम जनमन योजना के तहत कोटा ब्लॉक के ग्राम कुरदर में उप स्वास्थ्य केन्द्र का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने नयी साज-सज्जा और सुविधाओं के साथ इस अस्पताल का उद्घाटन किया। यहां बाईक एम्बुलेंस से कुरदर सहित आसपास के 400 से ज्यादा मरीजों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया करायी गयी है। कलेक्टर अवनीश शरण, सीईओ जिला पंचायत आरपी चौहान, एसडीएम युगल किशोर उर्वशा भी इस दौरान मौजूद थे।

प्रमुख सचिव ने अस्पताल में इलाज कराने आए मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने कहा। उल्लेखनीय है कि पीएम जनमन योजना के तहत यहां 3.6 किलो वॉट क्षमता के ऑफ ग्रिड सौर संयंत्र के जरिए अस्पताल में प्रकाश व्यवस्था की गयी है। जिसमें सेपरेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन के जरिए 15 नग एलईडी बल्ब, 05 नग बीएलडीसी पंखा, 02 नग स्ट्रीट लाईट एवं 03 नग पॉवर प्लग स्थापित किया गया है। इस अस्पताल में दिन रात लाईट पंखा सोलर से ही कार्य करेगा। इस इलाके में प्राय: लाईट चली जाती है लेकिन अब सोलर सुविधा मिलने से रात में भी इलाज कराने आए ग्रामीणों को दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। यहां बोर भी कराया गया है जिससे चौबीसों घंटे पानी की सुविधा मिलेगी। अस्पताल में एएनएम सहित अन्य पूरे स्टाफ की भी भरती कर ली गयी है। प्रमुख सचिव सोनमणी बोरा ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत बिलासाताल में पीपल का पौधा लगाया। इस अवसर कलेक्टर अवनीश शरण, डीएफओ सत्यदेव शर्मा और सीईओ जिला पंचायत आरपी चौहान ने भी पौधरोपण किया।

भाजपा के सदस्यता अभियान का आगाज अगले माह से

श्रीकंचनपथ न्यूज

50 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य

रायपुर। भाजपा के बहुप्रतीक्षित सदस्यता अभियान की शुरुआत अगले महीने से होने जा रही है। इस अभियान की शुरुआत दो सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा सदस्यता लेने से होगी। इसके अगले ही दिन से राज्यों में अभियान शुरू किया जाएगा। छत्तीसगढ़ में इस अभियान का आगाज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तीन सितंबर को सदस्यता ग्रहण कर करेंगे। अभियान की सबसे खास बात यह है कि प्रदेश की सरकार के सभी मंत्री, विधायक, सांसद, और भाजपा के जिलों के पदाधिकारी भी बूथों तक पहुंचकर इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। भाजपा ने प्रदेश में 50 लाख नए सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसे हासिल करने के लिए बूथ स्तर पर काम किया जाएगा।

पुरानी सदस्यता रद्द, नए सिरे से अभियान

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने इस बार एक बड़ा निर्णय लेते हुए पुराने 18 करोड़ सदस्यों की सदस्यता को रद्द कर दिया है। अब 2024 से सभी सदस्यों को नए सिरे से सदस्यता लेनी होगी। इसके लिए एक विस्तृत योजना तैयार की गई है। इस अभियान के तहत, पूरे देश में पुराने सदस्यों के साथ-साथ 10 करोड़ नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

छत्तीसगढ़ में 50 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य

छत्तीसगढ़ में भाजपा का लक्ष्य 50 लाख नए और पुराने सदस्यों को जोड़ना है, जबकि पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश में डेढ़ करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। सदस्यता अभियान के लिए भाजपा का हमेशा से बूथों पर फोकस रहता है, और इस बार भी यह प्राथमिकता बनी हुई है।

जिलों और बूथों पर जोर

अभियान का जिला स्तर पर आरंभ चार सितंबर से होगा, जबकि बूथों पर अभियान 6 सितंबर से शुरू होगा। सभी सांसदों को 20-20 हजार और विधायकों को 10-10 हजार सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है। भाजपा के मंत्रियों को भी जिलों में जाकर अभियान की शुरुआत करनी होगी। यह सदस्यता अभियान 25 सितंबर तक चलेगा और फिर से 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक एक और दौर चलाया जाएगा। इस अभियान में बूथ स्तर पर हर नेता की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है, जिससे भाजपा का जनाधार और भी मजबूत हो सके।

स्कूल व आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों को एल्बेंडाजोल की दवा सेवन सुनिश्चित करें: कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम की शुरूआत 29 अगस्त से की जाएगी। इस कार्यक्रम के तहत स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों को एल्बेंडाजोल की दवा खिलाई जाएगी। इससे बच्चे मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में अंतर्विभागीय बैठक लेकर जिला शिक्षा अधिकारी को शत-प्रतिशत बच्चों को एल्बेंडाजोल की दवा का सेवन कराया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही महिला बाल विकास विभाग को आंगनबाड़ी केंद्र में पंजीकृत, गैर पंजीकृत बच्चे और शाला त्यागी बच्चों को कृमिनाशक दवा खिलाने की बात कहीं। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि बच्चों को एल्बेंडाजोल की दवा अच्छी स्थिति में मिले। कोई भी बच्चे दवा के सेवन से छूटे न, इसका विशेष ध्यान रखें। इसकी मॉनीटरिंग भी करने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम वर्ष में 2 बार छः माह के अंतराल में फरवरी व अगस्त के माह में मनाया जाता है। जिसमें 1 वर्ष से 19 वर्ष के बच्चों को स्कूल एवं आंगनबाड़ी केन्द्र, केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, मदरसा, निजी स्कूल, अनुदान प्राप्त स्कूल, महाविद्यालय व तकनीकी शिक्षा संस्थान में दवा एल्बेंडाजोल निर्धारित खुराक में खिलाई जाएगी। साथ ही छुटे हुए बच्चों को 4 सितम्बर 2024 को माप-अप दिवस पर दवा सेवन कराया जाएगा। कृमि बहुत गंभीर समस्या है। इसकी वजह से बच्चे बार-बार बीमार पड़ते है। इसका प्रभाव उनके शारीरिक व मानसिक विकास पर पड़ता हैं। इसलिए इसके रोकथाम के लिये एल्बेंडाजोल की दवा खिलाई जाती है। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी, डीपीएम मनीष मेजरवार समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

महिला विंग ने की मां शीतला व जल देवता की पूजा

रायपुर। सिंधी काउंसिल द्वारा राम मंदिर में थदडी उत्सव बनाया सभी सिंधी समाज के लोग अपने अपने घरों से बना व्यंजन लेकर शीतला माता की पूजा अर्चना किए साथ में सिंधी भजन ठार माता ठार गाकर भक्ति में लीन हो गए और साथ में जलदेवता की पूजा अर्चना की पर्व रक्षा बंधन के आठवें दिन संतान की बीमारियों से रक्षा और लंबी आयु के लिए मनाया जाता है रविवार को किसी भी सिंधी परिवार में चूल्हा नहीं जलाया गया।

सभी सिंधी परिवार के घरों में शनिवार को बनाया ठंडा बासी भोजन ही रविवार को खाया गया रात में सोने से पहले चूल्हे पर जल छिड़क कर हाथ जोड़कर पूजा की गई सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ इस दिन विवाहित बहने एवम बेटियां भी मायके आकर त्योहार में शमिल होती है सिंधी काउंसिल महिला विंग की राशि बलवानी ने बताया शीतला माता से हमने मन्नत मानी की सभी के घरों में हमेशा खुशी का वातावरण बना रहे इसकी प्राथना की गई माता की पूजा के बाद सभी ने अपने अपने घरों से लाए गए व्यंजन का आनंद लिया पर्व में मीठा लोला, भिंडी, करेला, कोकी, दाल का पराठा,दही बडा, आलु की सब्जी,बेसन की कोकी, मैथी के पराठे और भी लजीज व्यंजन बना कर लाए गए इस आयोजन में राशि बलवानी, जूही दरयानी,रिया जयसिंघानी, हेमा जेठानी, दीपिका खेमानी, अनिता मेघानी, महक वासवानी, कशिश खेमानी एवम अन्य उपस्थित थे।

हटाया गया अतिक्रमण

रायपुर। सुशासन में एक फोन कॉल पर समस्या का समाधान हो रहा है। वार्ड क्रमांक 8 के कचना निवासी संजय गहरे ने कचना स्थित बीएसयूपी कालोनी के आस पास अवैध दुकान संचालन के साथ साथ अतिक्रमण की शिकायत की थी। लेकिन किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं होने के चलते उन्होंने कलेक्टोरेट के जनसमस्या निवारण कॉल सेंटर में फोन किया।

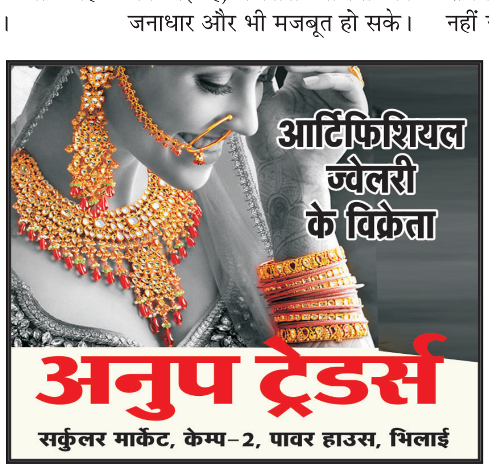

सस्पेंस, थ्रिल और कॉमेडी से भरपूर छत्तीसगढ़ी फिल्म ए ददा रे

छत्तीसगढ़ी फिल्म हण्डा की सफलता के बाद एन माही फिल्मस प्रोडक्शन के सफल निर्माता मोहित साहू की बहुप्रतीक्षित छत्तीसगढ़ी फिल्म ए ददा रे प्रदेश के सभी सिनेमाघरों में 30 अगस्त को एक साथ रीलीज होने जा रही है। सत्य घटना पर आधारित इस फिल्म में हॉरर, संस्पेंस, थ्रिल और कॉमेडी का तड़का है।

फिल्म के लेखक, निर्देशक आनन्द दास मानिकपुरी ने बताया कि आज से 40-45 साल पहले मेरी नानी और पिता ने अपने साथ घटित घटना को आपबीती में बताया था कि किस तरह उनका सामना अलग-अलग रूप से छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचल में प्रचलित मटिया और रक्सा से हुआ था, उस दौरान उनके मुंह से निकले भय स्वरूप शब्द थे ए ददा रे, जिसे इस्तेमाल करते हुए इस फिल्म का नाम ए ददा रे रखा गया। आनन्द दास ने बताया कि फिल्म का आरंभ ही इसी सत्य घटना के साथ किया गया है, गांव में प्रचलित चटिया-मटिया और रक्सा की संस्पेंस कहानी, गांव में अप्रत्याशित होने वाली घटना व कॉमेडी के घालमेल इस फिल्म को फूल मनोरंजक बनाता है। फिल्म के गीत चाँदी के गोला... समझ नई आये गोरी रे और टॉईटल सांग कर्ण प्रिय हैं, जो सोशल मीडिया में भी पहले से ही छाया हुआ है। फिल्म की कहानी ऐसे गांव की है, जहां भूत-प्रेतों का अफवाह है, जिसे हीरो अपने खोजबीन से दूर करता है और सच्चाई सबके सामने लाता है। फिल्म की खुबसूरत हीरोइन हेमा शुक्ला पर्दे पर निखर कर सामने आती है। आनन्द दास ने बताया कि यह फिल्म उन्होंने दो साल पहले ही लिख डाला था

गांव में प्रचलित सत्य घटना पर है आधारित

और अपनी पहली ब्लॉकबस्टर छत्तीसगढ़ी फिल्म सरई से पहले इसे बनाना चाहते थे परन्तु ऐसा हो ना सका, अब वे अपनी दूसरी फिल्म के रूप में ए ददा रे लेकर आ रहे हैं, जिसकी ज्यादातर शूटिंग बिलासपुर संभाग अंतर्गत रतनपुर, हरमोड़ी, नेवरा, लोरमी के पास झापल इत्यादि गांव में किया गया है।

नानी ने बताई थी मटिया की कहानी

छत्तीसगढ़ी फिल्म ए ददा रे के लेखक, निर्देशक व अभिनेता आनन्द दास मानिकपुरी ने बताया कि फिल्म ए ददा रे गांव में प्रचलित चटिया- मटिया और रक्सा जैसे भूतिया इंसीडेंट पर आधारित है, जिसे उन्होंने बचपन में अपनी नानी और पिता से सुना है। उन्होंने बताया था कि नानी ने एक बार उसे चटिया-मटिया की कहानी बताई थी, जो मेरे जेहन में बस गया, बाद में मैंने इसे कहानीबद्ध किया और आज अपने छत्तीसगढ़ के सुधि दर्शकों के लिए बतौर मनोरजंक फिल्म के तौर पर प्रस्तुत किया है।

शूटिंग के दौरान आती थी पायल की आवाज

आनन्द दास मानिकपुरी ने बताया कि शूटिंग के दौरान रतनपुर में किराये पर लिये घर से पायल बजने की आवाज आती थी। जिसे क्रू-मेम्बर्स ने गौर किया। बाद में आनन्द दास स्वयं घर में रूके और उसे भी दोपहर के समय पायल बजने की वही आवाज सुनी, जिसका उन्होंने खुलासा करने आवाज की दिशा पर गये तो वहां जाकर सभी भौचक्के रहे गए क्योंकि दरअसल वह पायल की नई एक पुराने सिलिंग फैन से आ रही थी, जिसकी आवाज ऐसी थी मानो पायल की आवाज हो।

इस फिल्म के मुख्य कलाकार

आनंद मानिकपुरी, हेमा शुक्ला, पिंकी साहू, विवेक चंद्रा, नवरंग यादव, मनोज यदु, अमनकांत, मुकेश यादव, नीतेश लहरी, विनोद उपाध्या मैडी, नायक, शशांक, मनीषा वर्मा, सत्तू बरेठ, संतोष राठौर, ज्ञानेन्द्र शुक्ला एवं अन्य शामिल है।

मुंबई का स्पेशल नाश्ता जेनिफर विंगेट की सुबह को बनाता है शानदार

अभिनेत्री जेनिफर विंगेट ने अपने फैंस को सुबह के नाश्ते की झलक दिखाई, जिसमें बन मस्का और चाय को देखा जा सकता है। इंस्टाग्राम पर जेनिफर के 8.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं। इस प्लेटाफॉर्म पर शेयर की गई स्टोरीज में उन्होंने अपने सुबह के नाश्ते की फोटो शेयर की है। यह तस्वीर उन्होंने अपनी कार पर ली है। कार के बोनट पर बन मस्का और कुल्हड़ चाय की प्लेट देखी जा सकती है।

उन्होंने इसे कैप्शन दिया, बन मस्का और चाय चलते-फिरते! एक अन्य स्टोरी में उन्होंने फर्श पर बैठे तीन डॉग्स की तस्वीर शेयर की। इसे कैप्शन दिया गया है, स्पॉटेड। विंगेट ने 1995 की फिल्म अकेले हम अकेले तुम से एक बाल कलाकार के रूप में अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। उन्होंने 2002 में शाका लाका बूम बूम के साथ टेलीविजन पर कदम रखा। बच्चों के इस फैंटेसी एडवेंचर टेलीविजन शो में विशाल सोलंकी ने संजू की मुख्य भूमिका निभाई थी।

इसमें हंसिका मोटवानी ने करुणा की भूमिका निभाई थी। जेनिफर ने कुसुम में सिमरन, कोई दिल में है में प्रीति, कसौटी जिंदगी की में स्नेहा बजाज गिल, क्या होगा निम्मो का में नताशा, कहीं तो होगा में स्वेतलाना और संगम में गंगा भाटिया की भूमिकाएं निभाई हैं। उन्हें दिल मिल गए में डॉ. रिद्धिमा गुप्ता के किरदार से पहचान मिली। स्टार वन पर प्रसारित होने वाला मेडिकल ड्रामा शो संजीवनी - ए मेडिकल बून का सीक्वल था। इसमें करण सिंह ग्रोवर, शिल्पा आनंद, करण वाही और मोहनीश बहल शामिल थे।

जरा नच के दिखा 1 की विनर रहीं जेनिफर नचले वे विद सरोज खान, कॉमेडी का महा मुकाबला, लाफ्टर के फटके और देख इंडिया देख की होस्ट रह चुकी हैं। वह सरस्वतीचंद्र में भी नजर आ चुकी हैं। 39 वर्षीय अभिनेत्री ने रोमांटिक थ्रिलर बेहद में माया की भूमिका निभाई है, जिसमें कुशाल टंडन और अनेरी वजानी भी उनके साथ हैं।

वह वर्तमान में कानूनी ड्रामा रायसिंघानी बनाम रायसिंघानी में नजर आ रही हैं। यह वेब सीरीज कानूनी पेशेवरों के जीवन को दर्शाती है, नैतिक दुविधाओं की पेचीदगियों और आसान रास्ते के बजाय सही रास्ता चुनने की चुनौती को दिखाती है। इस शो में करण वाही और रीम शेख भी हैं। यह सोनी लिव पर स्ट्रीम होता है।

शोभिता धुलिपाला ने शेयर किया बोल्ड लुक, तस्वीरें इंटरनेट पर हो रहीं वायरल

लोरियल के लिए बैकग्राउंड मॉडल के रूप में करियर की शुरूआत करने वाली एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी लाइमलाइट बटौर रही हैं। दरअसल, बीते दिनों पहले उन्होंने साउथ के सुपरस्टार नागा चैतन्य संग सगाई की थी। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

वेब सीरीज द नाईट मैनेजर में एक्टर अनिल के साथ स्क्रीन शेयर करने वाली एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। बता दें कि एक्ट्रेस आए दिन किसी ना किसी कारण चर्चाओं में बनी रहती हैं। बीते दिनों पहले एक्ट्रेस ने साउथ के सुपरस्टार नागा चैतन्य के साथ सगाई कर ली है, जिसके बाद से वो लाइमलाइट में आ गई थीं।

हाल ही में एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक जबरदस्त पोस्ट शेयर किया है। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड और किलर अंदाज देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी फोटोज पर बेशुमार प्यार लुटाते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला ने व्हाइट कलर का स्लीवलेस ड्रेस पहना हुआ है, जिसमें वो कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

बालों को स्टाइलिश लुक में बांधकर और साथ ही न्यूड मेकअप कर के एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

बता दें कि शोभिता सोशल मीडिया लवर हैं और इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से भी जुड़े अपडेट्स फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं।

कंगना रनौत की इमरजेंसी का पहला गाना सिंहासन खाली करो जारी

कंगना रनौत स्टारर पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म इमरजेंसी का पहला गाना सिंहासन खाली करो रिलीज हो गया है। हाल ही में सॉन्ग सिंहासन खाली करो का टीजर जारी कर इसकी रिलीज डेट का एलान किया गया था। सिंहासन खाली करो में फिल्म इमरजेंसी की पूरी स्टारकास्ट नजर आ रही है। सिंहासन खाली करो सॉन्ग एक जज्बे और जोश से भरा गाना है। सिंहासन खाली करो गाना फिल्म की रिलीज से 10 दिन पहले रिलीज हुआ है।

सॉन्ग सिंहासन खाली करो को उदित नायाराण, नकाश अजीज, नकुल अभयंकर ने मिलकर गाया है। सिंहासन खाली करो गाने के बोल मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं। गाने को जीवी प्रकाश कुमार ने कंपोज किया है। गाने में कंगना रनौत, अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, दिवंगत एक्टर सतीश कौशिक भी नजर आ रहे हैं।

कंगना रनौत को भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी के रोल में देखा जा रहा है। गाने में इमरजेंसी लगने के बाद के सीन दिखाए जा रहे हैं, जिसमें विपक्ष और आम जनता पर पुलिस की लाठी बरस रही हैं। गाने के बीच-बीच में कंगना रनौत फिल्म के कुछ अहम डायलॉग बोलती दिख रही हैं।

फिल्म इमरजेंसी में कंगना रनौत भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी का रोल प्ले करने जा रही हैं। फिल्म में दिवंगत एक्टर सतीश कौशिक को जगजीवन राम, विशाक नायर को संजय गांधी, मिलिंद सोमन को सैम मानेकशॉ, महिमा चौधरी को पुपुल जयाकर, श्रेयस तलपड़ को अटल बिहारी वाजपेयी और अनुपम खेर को जेपी नारायण के रोल में देखा जाएगा। फिल्म इमरजेंसी को खुद कंगना रनौत ने डायरेक्ट किया है। फिल्म 6 सितंबर को रिलीज होने जा रही है।

हाथ में गन, खून से लथपथ फिल्म युध्रा से सिद्धांत चतुर्वेदी का फर्स्ट लुक रिवील

गली ब्वॉय और गहराईयां जैसी फिल्मों से पहचान बनाने वाले एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी जल्द ही बड़े पर्दे पर एक्शन करते हुए नजर आएंगे। दरअसल उनकी फिल्म युध्रा 2021 में अनाउंस हुई थी। जिसके बाद कोविड के कारण उनकी फिल्म की शूटिंग रुक गई थी। अब फाइनली मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट अनाउंस कर दी है। एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी फिल्म युध्रा आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। आइए जानते हैं कब रिलीज होगी फिल्म।

फरहान अख्तर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर नया पोस्टर शेयर किया जिसमें सिद्धांत का एक्शन अवतार नजर आ रहा है। एक पोस्टर में वे हाथ में बंदूक लिए खून से लथपथ नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरे पोस्टर में उनके साथ मालविका मोहनन हैं और दोनों खून से सने हुए हैं। पोस्टर देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म में धांसू एक्शन देखने को मिलेगा।

नया पोस्टर रिलीज करते हुए मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है। फिल्म 20 सितंबर 2024 से सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म के डायरेक्टर रवि उदयावर है वहीं इसकी कहानी श्रीधर राघवन ने लिखी है, इसके गाने जावेद अख्तर ने लिखे हैं। युध्रा में सिद्धांत चतुर्वेदी और मालविका मोहनन लीड रोल में हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो सिद्धांत चतुर्वेदी की अपकमिंग फिल्म धर्मा प्रोडक्शन की धड़क 2 है जिसमें वे तृप्ति डिमरी के साथ स्क्रीन शेयर करने वाले हैं। वहीं मालविका प्रभास की फिल्म द राजा साब में नजर आएंगी।

किस फ्रूट से मिलती है सबसे ज्यादा ताकत? जवाब जानकर हैरान रह जाएंगे आप

आज हम जिस फल के बारे में बात करने जा रहे हैं वह स्वाद और गुण दोनों में काफी ज्यादा फायदेमंद है। इसके कई सारे फायदे हैं लेकिन इसके गुण सुनेंगे तो आप कभी भी इसे खाना नहीं भूलेंगे। यह अपने खट्टे-मीठे स्वाद के कारण बच्चे से लेकर बूढ़े तक सभी को काफी ज्यादा पसंद आता है। इस फल का नाम कीवी है।

कीवी मुख्य रूप से विदेश से आयात किया जाता था। लेकिन अब इसकी खेती भारत में ही की जाती है। आज इस आर्टिकल में हम कीवी खाने के फायदे के बारे में बात करेंगे। जो स्वास्थ्य के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद है।

कीवी में भरपूर मात्रा विटामिन होता है

कीवी खाने से शरीर को एनर्जी मिलती है। सिर्फ इतना ही नहीं ब्लड सर्कुलेशन बहुत अच्छा होता है। शरीर में जोड़ों के दर्द और दूसरे अंगों में होने वाली दर्द भी ठीक हो जाती है। कीवी खाने से आंखों को काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। इससे आंखों की रोशनी बढ़ती है।इससे भरपूर मात्रा में विटामिन मिलता है।

कीवी में होता है ये भरपूर गुण

कीवी में मैग्नीशियम, पोटाशियम और विटामिन ए भरपूर मात्रा में पाया जाता है। कीवी में विटामिन 6 और आयरन काफी ज्यादा भरपूर मात्रा में मिलता है। इसे खाने से कमजोरी दूर हो जाती है। साथ ही अगर किसी व्यक्ति के शरीर में खून की कमी है तो कीवी के खाने से दूर हो जाती है। कई लोगों के साथ ऐसा होता है थोड़ी सी चोट लगने के बाद शरीर काला पड़ जाता है। ऐसे में यह स्थिति आयरन की कमी को दर्शाता है। कीवी खाने से इस तरह की परेशानियां दूर हो जाती है।

कीवी इन विटामिन से भरपूर है

कीवी बेहद पौष्टिक फ्रूट है। इसमें विटामिन ए, बी, सी,के और विटामिन बी 6 पाया जाता है। इतना ही नही इसमें ढेर सारा फाइबर, जिंक, फास्फोरस और मैग्नीशियम भी पाया जाता है जो शरीर को मजबूत बनाने के लिए बेहद जरूरी कहे जाते हैं। कीवी में पाए जाने वाले एंटी ऑक्सिडेंट शरीर में फ्री रेडिकल्स को बढ़ने से रोकते हैं जिससे कई बीमारियां दूर रहती हैं।

बदलते मौसम में जब बीमारी के चलते शरीर में प्लेटलेट्स कम हो जाते हैं तो कीवी फल का सेवन बहुत कारगर साबित होता है। रोज कीवी के सेवन से शरीर में प्लेटलेट्स बढ़ जाते हैं।

जिन लोगों को नींद नहीं आती, उनके लिए कीवी बहुत ही शानदार फल है। इसमें पाया जाने वाला सेरोटोनिन अच्छी नींद लाने में मदद करता है और इसके सेवन से दिमाग भी शांत और रिलेक्स महसूस करता है।

बीपी वाले को कीवी जरूर खाना चाहिए

जिन लोगों का ब्लड प्रेशर ज्यादा रहता है, उनको नियमित तौर पर कीवी का सेवन करना चाहिए। कीवी में ढेर सारा पोटेशियम पाया जाता है और इसके सेवन से बीपी कंट्रोल में रहता है और उच्च रक्तचाप के चलते होने वाली बीमारियां जैसे स्ट्रोक और हार्ट अटैक को भी दूर रखने में मदद मिलती है। कीवी में पाए जाने वाले पोटेशियम की मदद से शरीर में किडनी, दिल, कोशिकाएं और मांसपेशियों को सही से काम करने की ताकत मिलती है।

उद्योग मंत्री देवांगन ने कोरबा में 50 लाख की लागत वाले विकास एवं निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के वाणिज्य उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने आज मंगलवार को कोरबा नगर निगम के पांच वार्डों में 50 लाख की लागत के विभिन विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इनमें वार्ड क्रमांक 23, कपिलेश्वर मंदिर, पंडित रविशंकर नगर परिसर शामिल है। वॉर्ड क्रमांक 23 पंडित रविशंकर नगर के कृष्णा नगर में जैतखाम के चारों ओर बाउंड्रीवॉल एवम् गेट निर्माण कार्य लागत 5 लाख रुपए व कपिलेश्वर धाम भागवत मंच के पास शेड निर्माण लागत 10 लाख रुपए कुल 15 लाख रुपए के कार्यों के भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि विधानसभा चुनाव में जीतने के बाद जब पहली बार कपिलेश्वर नाथ मंदिर में दर्शन करने पहुंचे थे तब माताएं और बहनों ने शेड निर्माण कराने का आग्रह की थी। तब तत्काल विधायक मद से इसकी स्वीकृति दी गई थी और आज सौभाग्य की बात है की इस बड़े कार्य का कार्य प्रारंभ हो रहा है।

मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि कोरबा नगर निगम के सभी वार्डों में जिला खनिज न्यास मद से 5द्द5 लाख रुपए की राशि जारी की गई थी, अब सभी कार्यों का टेंडर प्रक्रिया पूरी कर कार्य प्रारंभ किए जा रहे हैं। मंत्री देवांगन ने कहा की प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री व प्रभारी मंत्री अरूण साव के मार्ग दर्शन में सभी विकास कार्य को स्वीकृति मिल रही है।

सभापति श्याम सुन्दर सोनी ने कहा कि कोरबा के विधायक और मंत्री देवांगन द्वारा चुनाव के बाद जो-जो वादें किए गए थे उन्हें तत्काल स्वीकृति देकर कार्य प्रारंभ किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोरबा के सभी वार्डो का समुचित विकास किया जा रहा है। इसके लिए उन्होंने मंत्री श्री देवांगन का आभार भी जताया। इस अवसर पर नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष हित्तानंद अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, वॉर्ड क्रमांक 16 के पार्षद नरेंद्र देवांगन, कोसाबाड़ी मंडल अध्यक्ष अजय विश्वकर्मा, मंदिर समिति की अध्यक्ष सुधा झा समेत अधिक संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भूमिपूजन कार्यक्रम में पहुंचे मंत्री लखन लाल देवांगन से पंडित रविशंकर नगर सार्वजानिक दुर्गा पूजा समिति द्वारा पंडाल के समीप कई महत्वपूर्ण विकास कार्य की मांग की। इस मांग को सहर्ष स्वीकार करते हुए मंत्री श्री देवांगन ने विधायक निधि से निर्माण करने की घोषणा की।

विभिन्न वार्डों में इन विकास कार्यों का भूमिपूजन

इसी तरह वॉर्ड क्रमांक 25, पंचमुखी हनुमान मंदिर में आयोजित भूमिपूजन में मंत्री देवांगन शामिल हुए। मंत्री देवांगन ने पंचमुखी हनुमान और शिवलिंग की पूजा अर्चना कर क्षेत्र के खुशहाली की कामना की। वॉर्ड में सुभाष ब्लॉक के हनुमान मंदिर के पास पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य कुल लागत 5 लाख रुपए, बाईपास रोड पर पूर्वांचल विकास समिति के समीप बाउंड्रीवॉल से प्रेस क्लब बाउंड्रीवॉल तक बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य लागत 14.48 लाख रुपए, वार्ड 26 मुड़ापार रवि स्वीट्स के पीछे सार्वजनिक मंच का निर्माण कुल लागत 5 लाख ,वार्ड 27 गायत्री नगर में नाली निर्माण लागत 5 लाख ,वार्ड 30 मानिकपुर में मुक्तिधाम निर्माण कार्य लागत 5 लाख का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर वॉर्ड क्रमांक 25 के पार्षद शैलेन्द्र सिंह, पार्षद सुफ्ल दास, धन कुमारी गर्ग, युगल केवर्त, लक्ष्मण श्रीवास, ज्योति वर्मा, सुमन सोनी, हार बाई यादव, रमा मिरि, प्रीति चौहान सहित अधिक संख्या में वॉर्डवासी उपस्थित थे।

जन्माष्टमी कार्यक्रम में शामिल हुई मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याणमंत्री लक्ष्मी राजवाड़े बिश्रामपुर और सूरजपुर में कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर आयोजित मटकी फोड़ कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि इस उल्लासमयी अवसर पर क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर धार्मिक उत्सव की खुशियों को साझा करने का अनुभव अद्वितीय है। हम आशा करते हैं कि आने वाले वर्षों में भी ऐसे ही धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों की सफलता का सिलसिला जारी रहेगा। इस अवसर पर मंत्री राजवाड़े ने विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत लोगों का सम्मान भी किया। मंत्री राजवाड़े ने कहा कि भगवान श्रीकृष्णा को हर व्यक्ति पूजता है और वह हर भक्त का मनोकामना पूर्ण करते हैं। भगवान श्रीकृष्णा सदैव ही सत्य की राह पर चलना सीखते हैं। उन्होंने सत्य के राह पर चलते हुए ही महाभारत में जीत दिलाई थी। आप सभी ऐसे ही धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करते रहें ताकि आपके जिले में धर्म और संस्कृति को बढ़ावा मिले और छोटे बच्चे आगे चलकर सही दिशा में बड़े मुकाम पर पहुंचे।

कार्यक्रम की शुरूआत भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की पूजा-अर्चना से हुई। मटकी फोड़ कार्यक्रम की गतिविधियाँ शुरू की गईं, जिसमें विभिन्न लोग उत्साहपूर्वक भाग लेते नजर आए। इस आयोजन ने सभी को एकजुट होने और धार्मिक मान्यताओं के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करने का एक शानदार मौका प्रदान किया। सभी की सक्रिय भागीदारी और उत्साहपूर्ण उत्सव ने इस आयोजन को विशेष बना दिया। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने उत्साहपूर्वक मटकी फोड़ प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, जिसमें छोटे और बड़े सभी ने अपनी ऊर्जा और कौशल का प्रदर्शन किया। इस आयोजन के माध्यम से सभी ने आनंद का अनुभव किया और पर्व की शुभकामनाओं को एक-दूसरे के साथ साझा किया।

महिलाएं बांस शिल्प कला में डाल रही जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बलौदाबाजार जिले के सुदूर अंचल में स्थित ग्राम बल्दाकछार में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति कमार महिलाओं के लिए महतारी वंदन योजना बड़ी खुशी लेकर आई है। महतारी वंदन योजना ने यहाँ के बांस शिल्प कला में नई जान डाल दी है। महतारी वंदन योजना से मिले पैसों से यहां की महिलाओं को बांस शिल्प कला को नई पहचान दिलाने का मौका मिल रहा है और उन्हें स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त होने में भी मदद मिल रही है।

बल्दाकछार के कमारपारा में निवासरत श्रीमती चांदनी बाई कमार ने बताया कि वह परंपरागत रूप से बांस शिल्प की कला कृति बनाकर एवं कृषि के समय कृषक मजदूरी का कार्य करके जीवकोपार्जन करती है। पहले वह आर्थिक तंगी के कारण बांस शिल्प बनाने के लिए बांस नहीं खरीद पाती थी पर अब उन्हें महतारी वंदन योजना से प्रतिमाह 1 हजार रूपए मिलते है, जिसका उपयोग वह बांस खरीदने में करती है। वह झेंझरी, सुपा, पर्रा, टुकनी सहित अन्य सजावटी वस्तुएं अधिक संख्या में बना पाती है, जिसे बेचकर उन्हें अच्छी खासी आमदनी मिल रही है। श्रीमती चांदनी ने महतारी वंदन योजना के लिए राज्य सरकार को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए इसकी राशि बढ़ाने के लिए आग्रह की है। उसी गांव कि श्रीमती ममता कमार भी महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि का उपयोग बांस शिल्प एवं अपनी बच्ची 1 वर्षीय लवली कमार के शिक्षा के लिए बचत कर रही है।

महतारी वंदन योजना से हर माह मिलने वाली राशि उनके लिए बहुत बड़ा सहारा है। छत्तीसगढ़ की परंपरा रही है कि यहां बेटियों को अगाध स्नेह और सम्मान दिया जाता है। बेटियों का हर घर में विशेष स्थान होता है। तीज- त्यौहारों में बेटियों और बहनों को स्नेह से भेंट और राशि दी जाती है। इसी के तहत संवेदनशील मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने माताओं-बहनों को त्यौहार पर यह उपहार भेंट की है।

प्रतिभावान खिलाड़ियों को कल पुरस्कृत करेंगे सीएम साय

राज्य खेल अलंकरण समारोह : 97 खिलाड़ियों को मिलेगी पुरस्कार राशि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गुरूवार 29 अगस्त को राज्य खेल अलंकरण समारोह में राज्य के प्रतिभावान खिलाड़ियों को पुरस्कृत करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष डॉ.रमन सिंह करेंगे। कार्यक्रम के अतिविशिष्ट अतिथि केन्द्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्यमंत्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री द्वय अरूण साव और विजय शर्मा तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा होंगे। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा राज्य खेल अलंकरण समारोह का आयोजन राजधानी रायपुर के पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में दोपहर 12 बजे से किया जाएगा।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, कृषिमंत्री रामविचार नेताम, वनमंत्री केदार कश्यप, खाद्यमंत्री दयालदास बघेल, वित्तमंत्री ओ.पी. चौधरी, स्वास्थ्यमंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, उद्योगमंत्री लखनलाल देवांगन, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक सर्वश्री राजेश मूणत, पुरन्दर मिश्रा, मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा, इन्द्रकुमार साहू, गुरू खुशवंत साहेब होंगे।

कार्यक्रम में राज्य शासन द्वारा वर्ष 2021-22 के लिए शहीद राजीव पाण्डे पुरस्कार के लिए 06, शहीद कौशल यादव पुरस्कार के लिए 06, वीर हनुमान सिंह पुरस्कार के लिए 02, शहीद पंकज विक्रम सम्मान 11, शहीद विनोद चौबे सम्मान के लिए 05 एवं मुख्यमंत्री ट्राफी वर्ष 2021-22 के लिए 11 खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। इसी प्रकार वर्ष 2022-23 हेतु शहीद राजीव पांडेय पुरस्कार के लिए 04, शहीद कौशल यादव पुरस्कार के लिए 07, वीर हनुमान सिंह पुरस्कार के लिए 01, शहीद पंकज विक्रम सम्मान 15, शहीद विनोद चौबे सम्मान के लिए 05 एवं मुख्यमंत्री ट्राफी वर्ष 2022-23 के लिए 24 चयनित खिलाड़ियों को ट्राफी देकर सम्मानित किया जाएगा।

खेल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पुरस्कार वर्ष 2021-22 एवं 2022-23 के लिए 97 पुरस्कारग्राही खिलाड़ियों को दी जाएगी 76 लाख रूपए की पुरस्कार राशि। पदक विजेता 502 खिलाड़ियों के बैंक खाते में जाएंगे 60.33 लाख रूपए की राशि।

ग्रामीणों को रोजगार के साथ मिली सिंचाई की सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। विष्णुदेव साय के मुख्यमंत्री बने अभी सिर्फ 8 महीने ही हुए है। इतने कम समय में जिले में शिक्षा, अधोसंरचना निर्माण, स्वास्थ्य सुविधा सहित दूरस्थ क्षेत्रों में भी विकास का लाभ आम लोगों को मिले इसके लिए कार्ययोजना बना कर तेजी से कार्य किया जा रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में रोजगार सृजन के साथ कृषि क्षेत्र में इसका लाभ मिले इसके लिए मनरेगा के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में तालाब, सड़क निर्माण सहित अन्य कार्य कराए जा रहे हैं। प्राचीन काल से अब तक जहां भी आबादी बसती गई, वहां परंपरागत ढंग से जल स्रोत के साधनों के रूप में तालाबों का निर्माण किया जाता रहा है जो कि पेयजल, सिंचाई और निस्तारी का प्रमुख साधन रहा है। आधुनिक दौर में जल स्रोतों के उन्नत रूप में बोरिंग और नलकूप जैसी सुविधाओं के चलते पारंपरिक जलस्रोत उपेक्षा का शिकार हो गए। इससे आज भी गांवों में तालाबों की सुरक्षा के प्रति ग्रामीण सजग है।

ऐसा ही एक कार्य जशपुर जिले के बगीचा विकासखंड के ग्राम पंचायत सामरबार में देखने को मिलता है। जनजाति बाहुल्य इस ग्राम में महात्मा गांधी मनरेगा योजना के तहत नवीन तालाब निर्माण कराया गया है। इससे एक और जहां ग्रामीणों को रोजगार मिला वहीं दूसरी और आदिवासी परिवारों को खेती कार्य के लिए सिंचाई का साधन मिल गया है।

जशपुर जिला मुख्यालय से लगभग 105 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत सामरबार अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्र है। पूर्व में बिरनी पोखर आदिवासी परिवारों के निस्तारी का प्रमुख साधन था। इसके अलावा यह तालाब पशुओं के पेयजल का स्रोत भी है। महात्मा गांधी मनरेगा योजना से नवीन तालाब निर्माण होने से बरसात के पानी से तालाब पूरी तरह भर गया है। इससे निस्तारी और सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी के साथ-साथ स्थायी स्रोत भी मिल गया है। साथ ही इससे भू-जल स्तर भी सुधर रहा है। तालाब के पानी का उपयोग कर कंदरु राम पिता कलुवा राम और सिंगरु राम पिता बिरना राम धान, मक्का, टमाटर और अन्य सब्जियों की खेती कर आर्थिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

पार्किंसंस रोग के प्रबंधन के लिए दवा की खुराक के समायोजन के लिए नया स्मार्ट सेंसर विकसित

नई दिल्ली (पीआईबी)। वैज्ञानिकों ने एक किफायती, उपयोगकर्ता के अनुकूल, पोर्टेबल स्मार्टफोन-आधारित फ्लोरोसेंस टर्न-ऑन सेंसर प्रणाली विकसित की है जो पार्किंसंस बीमारी की रोकथाम में सहायता प्रदान कर सकती है। यह सेंसर शरीर में एल-डोपा की सांद्रता का सटीक पता लगाने में मदद करेगा, जिससे इस रोग की प्रभावी रोकथाम के लिए आवश्यक सटीक खुराक का निर्धारण करने में मदद मिलेगी।

पार्किंसंस रोग को न्यूरॉन कोशिकाओं में लगातार गिरावट से पहचाना जाता है जिससे हमारे शरीर में डोपामाइन (न्यूरोट्रांसमीटर) के स्तर में काफी कमी आ जाती है। एल-डोपा एक रसायन है जो हमारे शरीर में डोपामाइन में परिवर्तित हो जाता है, इसलिए यह एंटी-पार्किंसंस दवाओं के रूप में कार्य करता है। यह डोपामाइन की कमी को पूरा करने में मदद करता है। जब तक शरीर को एल-डोपा की सही मात्रा दी जाती है, तब तक यह रोग नियंत्रण में रहता है। हालांकि, पार्किंसंस की प्रगामी प्रकृति के कारण, जैसे-जैसे रोगी की उम्र बढ़ती है, न्यूरॉन्स की निरंतर हानि को पूरा करने के लिए अधिक एल-डोपा की आवश्यकता होती है। हालांकि, एल-डोपा की अधिक मात्रा से रोगी में डिस्केनेसिया, गैस्ट्राइटिस, साइकोसिस, पैरानोया ऑर्थोस्टेटिक हाइपोटेंशन जैसे गंभीर दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं, जबकि एल-डोपा की बहुत कम मात्रा से पार्किंसंस के लक्षण वापस आ सकते हैं।

इस रोग की चिकित्सा में एल-डोपा के अधिकतम स्तर की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए, जैविक तरल पदार्थों में एल-डोपा की निगरानी के लिए एक सरल, किफायती, संवेदनशील और त्वरित विधि विकसित करने की आवश्यकता है।

अभी हाल में, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के एक स्वायत्त संस्थान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उन्नत अध्ययन संस्थान (आईएएसएसटी) ने जैविक नमूनों में एल-डोपा के निम्न स्तर का तुरंत पता लगाने के लिए फ्लोरोसेंस टर्न-ऑन मैकेनिज्म का उपयोग करते हुए एक किफायती, उपयोगकर्ता के अनुकूल, पोर्टेबल स्मार्टफोन-आधारित ऑप्टिकल सेंसर प्रणाली विकसित की है।

सेंसर को कम ग्रेफीन ऑक्साइड नैनोकणों की सतह पर बॉम्बेक्स मोरी सिल्क कोकून से प्राप्त किए गए सिल्क-फाइब्रोइन प्रोटीन नैनो-लेयर की कोटिंग करके बनाया गया है। यह प्रणाली उत्कृष्ट फोटोलुमिनेसेंस गुणों के साथ कोर-शेल ग्रेफीन-आधारित क्वांटम डॉट्स का निर्माण करती है, जो इसे 5 द्वरू से 35 द्वरू की रैखिक सीमा के अंदर रक्त प्लाज्मा, पसीने और मूत्र जैसे वास्तविक नमूनों में एल-डोपा का पता लगाने के लिए एक प्रभावी फ्लोरोसेंट टर्न-ऑन सेंसर जांच बनाती है। समतुल्य् पहचान सीमा का निर्धारण क्रमशः 95.14 एनएम, 93.81 एनएम और 104.04 एनएम किया गया है। शोधकर्ताओं ने एक स्मार्टफोन-आधारित इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तैयार किया है जिसमें एक इलेक्ट्रिक सर्किट 5 वी स्मार्टफोन चार्जर द्वारा संचालित 365 एनएम एलईडी से जुड़ा है। पूरे सेटअप को बाहरी प्रकाश से अलग करने के लिए एक अंधेरे कक्ष में रखा जाता है। यह सरल, किफायती और त्वरित स्क्रीनिंग उपकरण उन्नत उपकरणों की कमी वाले दूरदराज के क्षेत्रों में मौके पर ही विश्लेषक का पता लगाने के लिए महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रीय पोषण माह 1 सितंबर से 30 सितंबर तक

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। कलेक्टर निलेश कुमार क्षीरसागर ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में राष्ट्रीय पोषण माह-2024 अन्तर्गत 01 सितम्बर से 30 सितम्बर 2024 तक पोषण माह आयोजन किये जाने के संबंध में बैठक ली। बैठक में कलेक्टर ने पोषण माह के दौरान सभी विभाग प्रमुखों को आपसी समन्वय से विभिन्न गतिविधियों के प्रभावी एवं परिणाममूलक आयोजन हेतु निर्देशित किया है। साथ ही जिले के सभी विद्यालयों एवं छात्रावासों में भी पोषण से संबंधित विभिन्न आयोजन जैसे रंगोली, भाषण प्रतियोगिता एवं नारा लेखन कार्य कराये जाने के निर्देश दिये गए। बैठक में महिला एवं बाल विकास अधिकारी हरिकीर्तन राठौर ने बताया कि राष्ट्रीय पोषण माह-2024 के दौरान मुख्य रुप से एनीमिया, वृद्धि निगरानी, पूरक आहार, पोषण भी पढ़ाई भी, बेहतर प्रशासन, पारदर्शिता और कुशल सेवा वितरण के लिए प्रोद्योगिकी तथा समग्र पोषण थीम पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाना है। पोषण माह के दौरान विभिन्न गतिविधियों एवं आयोजन में जनप्रतिनिधियों, पंचायतीराज संस्थाओं, सहयोगी विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों की सक्रिय भागीदारी महिला स्व-सहायता समूहों, महिला मण्डली, नेहरु युवा केन्द्रों, नेशनल कैडिट कोर, राष्ट्रीय सेवा योजना आदि की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित किया जाना है।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

आईटीबीपी ने अंदरूनी नक्सल प्रभावित क्षेत्र में खोले दो फील्ड अस्पताल

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोंडागांव। बस्तर संभाग के कोंड़ागांव और नारायणपुर जिले में स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए आईटीबीपी ने 2 अस्पताल खोले हैं। इस दौरान आईटरबीपी के डीजी राहुल रसगोत्रा ने 'फील्ड अस्पताल ' का वर्चुअली उद्धाटन किया। दरअसल, नारायणपुर जिले के कई इलाके धुर नक्सल प्रभावित हैं।

यहां नारायणपुर में 29 वीं वाहिनी, आईटीबीपी , कोंडागांव की सीओबी झारा और 53वीं वाहिनी, आईटीबीपी की सीओब आकाबेडा में ये सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है। फील्ड हॉस्पिटल से दोनों सीओबी के आसपास निवास करने वाली आम जनता और बल के हिमवीर लाभान्वित होंगे। दोनों अस्पताल में आकस्मिकता में काम आने वाली जरूरत की सभी दवाइयां और अनुभवी डॉक्टर उपलब्ध रहेंगे, ताकि समय आने पर सही से उपचार किया जा सके। छत्तीसगढ़ के दूरगामी नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में ये अपनी तरह के अलग अस्पताल होंगे। इस मौके पर संजीव रैना एडीजी, महेंद्र प्रताप सिंह सेनानी, अमित भाटी,सेनानी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी, आस-पास गांव के लोग, महिलाएं, बच्चे और जवान उपस्थित रहे।

खास खबर

साइबर एक्सपर्ट के आफिस से 2 लाख 50 हजार पार

रायपुर। जयराम काम्पलेक्स स्थित साइबर एक्सपर्ट साहेल जैन के आफिस में सोमवार और मंगलवार की रात में चोरों ने धावा बोला और आफिस के शटर का ताला तोड़कर वहां से लेपटॉप, मोबाइल और नगदी सहित 2 लाख 50 हजार रुपये लेकर चंपत हो गए। साहेल की शिकायत पर मौदहापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

साहेल जैन ने पुलिस को बताया कि वह महावीर नगर में रहता है और साईबर एक्सपर्ट और जैन साफ्टवेयर फाउंडेशन का डायरेक्टर है जिसका हेड आफिस जयराम काम्पलेक्स मौदहापारा में शाप नंबर 106 एवं 107 में है। सोमवार को 2.45 बजे कर्मचारी लितेश सिंह आफिस बंद कर घर चला गया था, जो दूसरे दिन मंगलवार की सुबह करीबन 9.30 बजे आया तो देखा कि आफिस का शटर में लगा ताला टुटा हुआ था। लितेश सिंह ने फोन कर बताया कि आफिस का ताला एवं कांच टुटा हुआ है। आफिस में जाकर देखा तो अंदर का सामान बिखरा हुआ था। आफिस में रखे तीन लैपटाप, प्रिंटर एवं तीन मोबाईल फोन नहीं था। टेबल के दराज में रखे नगदी रकम 1,95,000 रुपये नहीं था तथा अंदर रखे लैपटाप, प्रिंटर, मोबाईल भी गायब थे और कुल 2,50,000 रुपये को चोरी कर चंपत हो गया है। पुलिस ने शिकायत मिलने पर अज्ञात चोर के खिलाफ धारा 331-4, 305 का मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से उसकी तलाश शुरु कर दी है।

बेबीलोन कैपिटल में दबिश देकर 10 जुआरी को किया गिरफ्तार

रायपुर। तेलीबांधा पुलिस और साइबर सेल की टीम सोमवार की देर रात बेबीलोन कैपिटल के रूम नंबर 115 में दबिश दिया जहां जुआ खेल रहे निखिल सिंघानिया सहित 9 जुआरियों को गिरफ्तार किया और दांव पर लगे 2 लाख नगदी समेत ताशपत्ती जब्त किए गए। पुलिस ने केवल एक नाम का ही उल्लेख किया है शेष नौ जुआरियों के बारे में जानकारी फिलहाल अभी तक नहीं दी है।

आम तौर पर जुआरियों के पकड़े जाने पर पुलिस सभी के नाम ही नहीं उनकी फोटो, वीडियो तक जारी करती है लेकिन इस मामले में नामों का खुलासा नहीं किया है। इससे पुलिस पर दबाव को आसानी से समझा जा सकता है। यह भी उल्लेखनीय है कि एफआईआर में भी एक नाम निखिल सिंघानिया का लिखते हुए शेष 9 अन्य लिख दिया गया है। बताया जा रहा है कि सभी जुआरी शहर के बड़े सराफा कारोबारियों और फाइनेंसरों के पुत्र-परिजन बताए गए हैं। समझा जा रहा है कि इसी वजह से पुलिस अन्य नामों का खुलासा नहीं कर रही।

गढ़िया पहाड़ में एक महिला का मिला कंकाल

कांकेर। जिले के गढ़िया पहाड़ में तीन-चार महिना पुराना एक महिला का कंकाल मिला है। साड़ी में लिपटा हुआ महिला के कंकाल के पास टूटी चूड़ियां और चांदी का पायल मिला है। कांकेर कोतवाली पुलिस जांच कर रही है। एक आशंका यह भी कि पहाड़ पर तेंदुआ और अन्य जंगली जानवर भी हैं। ऐसे में एक संभावना यह भी है कि जिसका कंकाल है, उसका शिकार किसी जंगली जानवर ने कर लिया हो। कंकाल को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस कंकाल को दो दिन सुरक्षित रख किसी परिजन के पहुंचने का इंतजार करेगी। दो दिन बाद भी शिनाख्ती नहीं होती है और कोई परिजन नहीं पहुंचते हैं तो फिर अंतिम संस्कार कराया जाएगा।

कांकेर कोतवाली प्रभारी मनीष नागर ने बताया कि गढिया पहाड़ में महिला का नरकंकाल मिला है। फोरेंसिक और डॉग स्कॉड की टीम पड़ताल कर रही है। थाने में गुम इंसान की सूचना का रिकॉर्ड खंगला जा रहा है। मृतक की पहचान की कार्रवाई की जा रही है। उन्होने बताया कि महिला के पैर की हड्डी में पायल और हाथ की हड्डी में टूटी हुई चूड़ियां बरामद की गई हैं। गौरतलब है कि गढिया पहाड़ में रोजना सैकड़ो पर्यटक पहुंचते हैं, जहां सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं है। इससे पहले भी पहाड़ पर कई घटनाएं हो चुकी हैं।

शातिर चोर गिरोह पकड़ाया, सूने मकान में की थी सेंधमारी, चोरी के जेवर बेचकर खरीदी स्कूटी

जशपुर के पत्थलगांव थाना क्षेत्र का मामला, चोरों से 5 लाख 60 हजार का मशरुका जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में पत्थलगांव की पुलिस ने शातिर चोर गिरोह को पकड़ने में सफलता पाई है। पुलिस ने करीब 40 दिन पुराने एक चोरी के मामले में चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। चारों ने मिलकर यहां एक सूने मकान में सेंधमारी की थी। चोरों ने यहां से सोने चांदी के जेवर चुराए और बेचकर नगदी आपस में बांट ली। इस नगदी से स्कूटी भी खरीदी। पुलिस हत्थे चढ़ने के बाद आरोपियों के पास से स्कूटी सहित सोने चांदी के जेवर व नगदी सहित 5 लाख 60 हजार का मशरुका बरामद किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रेम नगर निवासी रविकान्त सोनी ने 16 जुलाई 2024 को इस मामले में शिकायत दर्ज कराई है। उसने बताया कि वह ग्राम पाकरगांव में पटवारी के पद पर पदस्थ है। 9 जुलाई 2024 की सुबह 11:30 बजे अपने मकान में ताला लगाकर अपने ससुराल लातेहार झारखंड गया था। 15 जुलाई को रविकांत के छोटे भाई फोन पर बताया कि मकान के दरवाजा का कुंदा टूटा हुआ है, अलमारी खुली हुई है। सूचना मिलने पर वापस लौटकर रविकांत ने देखा तो पता चला कि अलमारी में रखा लटकन 06 नग, लाकेट 04 नग, अंगुठी 1 नग, चैन 1 नग, नथिया 1 नग, झुमका 2 नग, नेकलेस 1 नग आदि गायब हैं। इस मामले में शिकायत पर अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई।

पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह द्वारा स्थानीय मुखबीर तंत्र को एक्टिव कर प्रकरण की बारीकी से विवेचना कर आरोपियों की पतासाजी करने के निर्देश दिये गये थे। इस बीच मुखबिर सूचना पर संदेही अनुज टंडन निवासी प्रेमनगर पत्थलगांव को हिरासत में लेकर पूछता की गई। पूछताछ में उसने बताया कि 13-14 जुलाई 2024 की दरम्यानी रात में वह अपने साथी मुकेश नामदेव उर्फ गोलू के साथ मिलकर प्रार्थी के मकान दरवाजा का ताला तोड़कर चोरी की। चोरी के जेवर आदि अपने परिचित मनोज सिंह निवासी दर्रापारा पत्थलगांव को दिया। मनोज ने उक्त जेवर तुलसी सोनी निवासी बर्फ फैक्ट्री गली पत्थलगांव को 2 लाख 93 हजार रुपए में बेच दिया।

आरोपियों के बताए अनुसार पुलिस ने उनक सहयोगी आरोपियों को भी हिरासत में लिया। इनके पास से सोने का 01 नग हार, 01 नग नथनी, 01 नग चैन, 02 नग कान का झुमका, 01 नग अंगूठी, 01 नग मंगलसूत्र का लाकेट, 01 नग लाकेट, घटना में प्रयुक्त 01 नग पेचकस, चोरी का सोना बेचकर खरीदा गया 01 नग स्कूटी, नगदी रकम 30000 हजार सहित कुल 5 लाख 60 हजार का मशरुका जब्त किया। प्रकरण की विवेचना में एसडीओपी पत्थलगांव ध्रुवेश कुमार जायसवाल, निरीक्षक विनित पाण्डेय, उप निरीक्षक नशीरूद्दीन अंसारी, उप निरीक्षक अर्जुन यादव, एएसआई हरिराम टंडन, आरक्षक तुलसी रात्रे, ताराचंद मिरेन्द्र,.आरक्षक अनंत मिराज किस्पोट्टा, पदुम वर्मा, आशीशन टोप्पो, आर. 344 विरेन्द्र यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह द्वारा कहां गया है कि पुलिस द्वारा स्थानीय मुखबीर तंत्र की सहायता से अत्यंत सूझबूझ से कार्य करते हुए उक्त प्रकरण के आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त किया गया है, उक्त प्रकरण में सम्मिलित सभी अधिकारी व कर्मचारियों को नगद इनाम से पुरस्कृत किया गया है।

साहस व वीरता के लिए सहायक उप निरीक्षक को मिली पदोन्नति

नारायणपुर। पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रोबिनसन गुड़िया के मार्गदर्शन में लगातार क्षेत्र में नक्सल विरोधी माड़ बचाव अभियान संचालित किया जा रहा है। पूर्व में जिला नारायणपुर क्षेत्रान्तर्गत संचालित नक्सल विरोधी अभियान में अदम्य साहस एवं वीरता का परिचय देने वाले अधिकारी सहायक उप निरीक्षक सीताराम सागर को क्रम से पूर्व पदोन्नति का आदेश पुलिस मुख्यालय रायपुर द्वारा जारी किया गया, जिसके परिपालन में आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय में स्टार सेरेमनी कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रोबिनसन गुड़िया के द्वारा सहायक उप निरीक्षक सीताराम सागर के कंधे में स्टॉर बैच लगाकर पदोन्नति दिया जाकर उनके उज्जवल भविष्य की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनको क्षेत्र में संचालित नक्सल विरोधी अभियान में सक्रिय रूप से एक टीम कमाण्डर के रूप में बल का नेतृत्व करते हुए ऐसी ही बहादूरी से कार्य करते रहने की अपेक्षा किया गया।

उल्लेखनीय है कि उप निरीक्षक सीताराम सागर के द्वारा वर्ष 2020 में थाना ओरछा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम आदेर-ईकुल के जंगल में हुई पुलिस नक्सल मुठभेड़ में अदम्य साहस एवं वीरता का परिचय देते हुए 2 माओवादियों को मार गिराया गया था। उक्त घटना में अन्य दो-तीन माओवादियों की मारे जाने की पुष्टि हुई थी। उक्त स्टॉर सेरेमनी के दौरान उप पुलिस अधीक्षक लौकेश बंसल, मनोज मण्डावी, डॉ. प्रशांत देवांगन, रक्षित निरीक्षक मो. मोहसिन खान, डीआरजी कमाण्डर निरीक्षक मुकेश पटेल सहित पुलिस अधीक्षक कार्यालय नारायणपुर के अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

नक्सल मोर्चे पर तैनात 100 से अधिक श्वानों ने 4 हजार किलो से अधिक विस्फोटक की कर चुके हैं पहचान

बीजापुर (ए.)। जगदलपुर। बस्तर संभाग के नक्सल मोर्चे पर केंद्रीय रिजर्व बल, पुलिस बल, आईटीबीपी सहित अन्य बलों की टुकड़ी में 100 से अधिक श्वानों की तैनाती है। सुरक्षा बल के अभियान की अगुवाई करते हुए इन श्वानों ने अब तक जमीन के नीचे दबे 4 हजार किलो से अधिक विस्फोटक का पता लगाकर जवानों को सुरक्षित रखने में सुरक्षा बल के साथी श्वान सारथी की भूमिका रही है। राज्य गठन के बाद से नक्सलियों के बारूदी सुरंग हमले में 754 जवान बलिदान व 189 नागरिक मारे गए हैं। यह आंकड़े बताते हैं कि बस्तर में पग-पग पर बारूदी खतरा है। पिछले कुछ वर्ष में सुरक्षा बलों

को बारूदी सुरंग हमलों को असफल करने में श्वान सारथी के कारण सफलता मिली है।

नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षा बल के जवानों की अगुवाई रानी करती है। रानी नक्सलियों के विरुद्ध सुरक्षा बलों की लड़ाई में सम्मिलित श्वानों के दल की सदस्य है। इसकी भूमिका विस्फोटकों का पता लगाने में प्रभावी रही है। रानी बीजापुर जिला पुलिस बल की सदस्य है। दो माह पहले नक्सलियों ने गद्दामली से कडेर जाने वाले रास्ते पर सुरक्षा बल को नुकसान पहुंचाने 30-30 किलो के दो पाइप बम व एक दस किलो का प्रेशर कुकर आइईडी (इंप्रोवाइज एक्सप्लोसिव डिवाइस) बिछाए हुए थे। नक्सलियों का इरादा जवानों को बड़ा नुकसान पहुंचाने का था, पर बल की अगुवाई कर रही रानी ने इसका पता लगा लिया। इसके तुरंत बाद बम निरोधक दस्ते ने विस्फोटकों को निष्क्रिय कर दिया। पिछले दस वर्ष से सुरक्षा बल में तैनात लेब्राडोर नस्ल की इस श्वान रानी ने अब तक दो सौ से अधिक अभियान में 300 किलो से अधिक विस्फोटक ढूंढ निकाले हैं।

बस्तर आइजी सुंदरराज पी. ने बताया कि सुरक्षा बल के जवान मानते हैं कि इस सफलता के पीछे सबसे बड़ा हाथ नक्सल मोर्चे पर तैनात श्वानों का है। नक्सलियों के विरुद्ध अभियान में श्वानों के उपयोग से बारूदी सुरंगों को ढूंढने में क्रांतिकारी सफलता मिली है। अभियान में सुरक्षा बलों की अगुवाई श्वान करते हैं और कई घटनाओं में जवानों की जान बचाई है।

गौ तस्करों पर राजनांदगांव पुलिस एवं गोंदिया पुलिस की संयुक्त कार्यवाही, एक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। जिले की पुलिस एवं गोंदिया पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए गौ तस्करी कर रहे एक वाहन को पकड़ा है। पुलिस ने वाहन से 21 नग गाय, बैल जप्त किया है। वाहन सवार एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा दूसरा फरार हो गया जिसकी तलाश की जा रही है।

जिले के अवैध शराब बिक्री एवं अवैध तस्करी गो तस्करी के रोकथाम व अपराधों पर अंकुश लगाने हेतु श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय मोहित गर्ग के निर्देशन एवं श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री राहुल देव शर्मा, अनुविभागीय पुलिस अधिकारी डोंगरगढ़ श्री आशीष कुंजाम के मार्गदर्शन में 26 अगस्त की रात्रि मुखबिर से सूचना मिली की भिलाई की ओर से ट्रक क्रमांक एमएच 20 ईजी 9134 मे गाय बैल को भर कर महाराष्ट्र की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना पर तत्काल वरिष्ठ अधिकारियो के मार्ग दर्शन में टीम गठित किया गया सभी टीम को महाराष्ट्र की ओर जाने वाले संभावित रास्तों पर लगाया गया। महाराष्ट्र के सरहदी थानों को भी सूचना से अवगत कराया गया रास्तों में पुलिस की चौकसी देख आरोपियों के द्वारा वाहन महाराष्ट्र की ओर ले गया जहां चीचगढ़ प्रभारी को सूचना से अवगत कराया गया एवं नाकेबंदी हेतु सहयोग प्राप्त किया गया । सभी दिशाओं से घिरने पर आरोपीयो ने अपने वाहन को कच्चे रास्ते में जंगल में छोड़कर भागने का प्रयास किया किंतु पुलिस ने एक व्यक्ति को पकड़ लिया वहीं एक व्यक्ति फरार हो गया। पकड़े गये व्यक्ति ने पूछताछ में अपना नाम देवेंद्र राव बताया उसके कब्जे से तस्करी में प्रयुक्त वाहन एवं 21 नग गाय, बैल जप्त किया गया। राजनांदगांव पुलिस एवं गोंदिया पुलिस द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए आरोपियों के विरूद्ध चौकी चीचगढ थाना देवरी जिला गोंदिया में महाराष्ट्र पशु संरक्षण अधिनियम, महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम, के तहत अजमानतीय धाराओं में अपराध कायम किया गया। वहीं फरार आरोपियों एवं सहयोगी आरोपियों की तलाश की जा रही है।

देर रात डीजे बंद कराने पर युवकों ने मचाया जमकर उत्पात

पुलिस पेट्रोलिंग गाड़ी पर किया पथराव, मामला दर्ज

बिलासपुर (ए.)। रतनपुर में जन्माष्टमी पर्व पर देर रात डीजे बंद कराने पहुंचे पुलिसकर्मियों पर युवको ने हमला कर दिया और झूमाझटकी करते हुए उनकी वर्दी फाड़ दिया है। इस दौरान युवकों ने पुलिस की पेट्रोलिंग गाड़ी पर पथराव कर दिया, जिसके बाद तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और उनकी तलाश मे जुटी हुई है। मामला रतनपुर थाना क्षेत्र के गांधीनगर का है। जन्माष्टमी पर्व पर सोमवार की रात रतनपुर में अलग-अलग जगहों पर युवकों की टोलियां मटकी फोड़ने निकली थी। इस दौरान डीजे की धुन पर युवक थिरकते हुए शहर भ्रमण कर रहे थे। अन्य समितियों ने मटकी फोड़ कार्यक्रम तय समय पर खत्म कर दी। लेकिन गांधी नगर में देर रात तक डीजे बचाते हुए घूमते रहे।

डीजे बंद करवाने पर मचाने लगे हंगामा

देर रात पुलिस की पेट्रोलिंग टीम युवकों को डीजे बंद करने की

समझाइश देने पहुंचे। आरोप है कि इस दौरान युवक शराब के नशे में डीजे की धुन पर थिरक रहे थे और तेज आवाज में डीजे बजा रहे थे। मना करने पर उन्होंने पुलिसकर्मियों से हुज्जतबाजी करते हुए दुर्व्यवहार करना शुरू कर दिया, जिसके बाद हंगामा मचाने लगे।

झूमाझटकी करते हुए आरक्षकों को घेर लिया, और धक्कामुक्की करते हुए हाथापाई शुरू कर दी। इस दौरान युवकों ने उनका कॉलर पकड़ लिया और वर्दी तक फड़ दी, और पुलिस की गाड़ी में पथराव कर तोड़फोड़ कर दी। इधर हंगामे की सूचना पाकर पहुंची पुलिस की गाड़ी देखकर युवक इधर-उधर भागने लगे। पुलिस ने मौके पर दो युवकों को हिरासत में लिया है, और उनसे पूछताछ कर रही है।

छत्तीसगढ़ के 24 डीएसपी को मिली पहली पोस्टिंग

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने प्रोबेशन पीरिएड पूरा करने वाले 24 उप पुलिस अधीक्षकों की पहली पोस्टिंग कर दी है। मंगलवार शाम को जारी आदेश के अनुसार, प्रोबेशन पीरियड के दौरान विभिन्न जिलों में तैनात उप पुलिस अधीक्षक अब बस्तर भेजे गए हैं। गृह विभाग ने इसका आदेश जारी किया है।

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

ननिहाल के विशेष परिधान से सुशोभित हुए रामलला

बस्तर के शिल्पियों द्वारा बुने गए पीले खादी सिल्क से निर्मित किया गया है विशेष परिधान

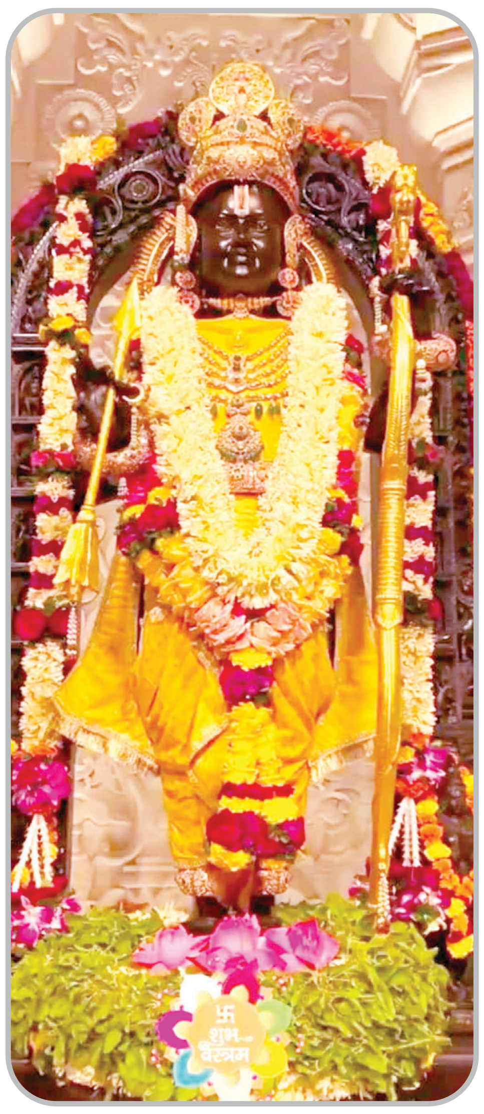

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रभु श्री रामलला अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के बाद अपनी सम्पूर्ण दिव्यता और आभा से सुशोभित हैं। प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात पहली जन्माष्टमी में बस्तर के श्रमसाधकों द्वारा विशेष रूप से तैयार किए गए पीले खादी सिल्क से निर्मित शुभवस्त्र से सुशोभित प्रभु श्री रामलला की अलौकिक छटा दर्शनीय है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पुनीत अवसर पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ स्थल में श्रीरामलला को छत्तीसगढ़ में निर्मित पीली खादी सिल्क से निर्मित वस्त्र धारण कराना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। यह वस्त्र बस्तर के शिल्पियों द्वारा निर्मित है। दंडकारण्य, जहां मर्यादा पुरुषोत्तम ने अपने वनवास का अधिकांश समय व्यतीत किया, वहां से भेजा वस्त्र धारण करने का समाचार वास्तव में भावुक करने वाला है। भांचा श्रीराम की कृपा उनके ननिहाल पर बरसती रहे यही कामना है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ जहां के लोगों ने भगवान श्रीराम और माता कौशल्या का सदैव प्रेम और आशीर्वाद पाया है, यहां की माटी में आज भी वही दिव्यता है जो भगवान राम के चरणों से पवित्र हुई है। छत्तीसगढ़ जिसे प्रभु श्री राम के ननिहाल होने का गौरव है, यहां पग-पग में प्रभु श्रीराम की यादें दिखाई पड़ती है। बस्तर अंचल, जिसे दंडकारण्य भी कहा जाता है, जहां प्रभु राम ने वनवास काल का अधिकांश समय व्यतीत किया, वहां के शिल्पियों द्वारा कृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर उनके ननिहाल से भेजा गया विशेष परिधान धारण करना छत्तीसगढ़ के जन-जन के लिए गर्व का क्षण है। मामा गांव के परंपरागत वस्त्रों में भांचा राम के सुशोभित होने से सभी छत्तीसगढ़वासियों का हृदय गर्व और असीम आनंद से परिपूर्ण है। यह अद्वितीय वस्त्र हमारी परम्पराओं और संस्कारों का प्रतीक है, जो भगवान श्रीराम और माता कौशल्या को छत्तीसगढ़ की भूमि से जोड़ता है। यह वस्त्र केवल एक परिधान नही, बल्कि हमारी संस्कृति, हमारी परंपरा, हमारी अडिग आस्था और भांचा राम के प्रति हमारे प्रेम एवम श्रद्धा का प्रतीक है।

भांचा राम के यह वस्त्र केवल धागे से नहीं बल्कि उनके ननिहाल के भक्तों द्वारा श्रद्धा और स्नेह से बुने गए हैं। बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और छत्तीसगढ़ की अनुपम कला को दर्शाते ये वस्त्र छत्तीसगढ़ वासियों की आस्था और समर्पण का प्रतीक भी है। असली स्वर्ण-चूर्ण से हस्तछपाई की गई यह खादी सिल्क, उन अनगिनत घंटों की मेहनत की साक्षी है, जो बस्तर के शिल्पकारों ने भगवान राम के प्रति अपनी अनन्य भक्ति में समर्पित करते हुए बिताए हैं।

भांचा राम के रूप में श्रीराम का प्रेम और आशीर्वाद यहाँ के लोगों के हृदय में सदैव प्रवाहित होता रहा है। छत्तीसगढ़ की पावन माटी आज भी उस स्नेह और श्रद्धा को संजोए हुए है, जिससे माता कौशल्या ने अपने पुत्र को संस्कारित किया। यह वही धरती है जहां श्रीराम ने अपने वनवास के समय अपार प्रेम और सम्मान पाया, यहाँ का एक एक कण आज भी भांचा राम और माता कौशल्या की अनुपम गाथा को संजोए हुए है।

उल्लेखनीय है कि श्री कृष्ण जन्मोत्सव का पर्व अयोध्या में अत्यंत भव्य तरीके से मनाया गया। प्रभु श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात यह पहली जन्माष्टमी है, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और उमंग देखा गया। जन्मोत्सव के लिए मंदिर की रंग-बिरंगे फूलों से आकर्षक सजावट के साथ ही भोग के लिए पंजीरी, पंचामृत और अनेकों व्यंजन तैयार किए गए। इस पावन अवसर पर कीर्तन, भजन का आयोजन भी किया गया।

850 श्रद्धालु अयोध्या रवाना, राजस्वमंत्री वर्मा ने दिखाई हरी झंडी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर शुरू की गई श्री रामलला दर्शन योजना के तहत चलाई जा रही विशेष ट्रेन मंगलवार को रायपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-07 से रवाना हुई। राजस्वमंत्री टंकराम वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। इस विशेष ट्रेन से 850 श्रद्धालुओं का जत्था अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ। इस यात्रा से श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। श्रद्धालुगण भगवान राम का जय-जयकार करते हुए अयोध्या धाम के लिए निकल चुके हैं। ट्रेन में श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए भक्तिमय माहौल में श्री रामलला के दर्शन को जा रहे है।

इस दौरान विधायक मोतीलाल साहू, पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेन्द्र साहू, नन्दे साहू, पूर्व अध्यक्ष सीएसआईडीसी छगनलाल मुंदड़ा सहित जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। रामलला दर्शन के लिए जाने वाले दर्शनार्थियों ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने श्री रामलला दर्शन के लिए योजना की शुरूआत की है। इसके लिए मुख्यमंत्री का बहुत-बहुत धन्यवाद। अयोध्या के दर्शन हम जैसे लोगों के लिए असंभव था, लेकिन मुख्यमंत्री की पहल पर आज हमें अयोध्या में श्री रामलला के दर्शन संभव हुआ है। आज अयोध्या के लिए रवाना हो रहे है और हमें बहुत खुशी हो रही है। अयोध्या में श्री रामलला के भव्य और सुंदर मंदिर बनाए गए है। श्री रामलला के दर्शन के लिए यात्रा से बहुत खुशी हो रही है। यात्रा के दौरान हम सभी को काशी विश्वनाथ जी के दर्शन का लाभ भी प्राप्त होगा। यात्रा को लेकर यात्रियों में उत्साह का माहौल देखा गया।

गोविंदा टोलियों का सीएम साय ने बढ़ाया उत्साह

कहा,- जीवन जीने की कला सिखाती है कृष्णलीला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मंगलवार को राजधानी रायपुर के गुढ़ियारी स्थित अवधपुरी मैदान में आयोजित विशाल दही हांडी उत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। श्री साय ने दही हांडी उत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने अपनी लीला से हमें जीवन जीने की कला सिखाई है। महाभारत में श्री कृष्ण ने अन्याय के विरुद्ध लड़ने का संदेश दिया। अन्याय के खिलाफ लड़ना ही सबसे बड़ा धर्म है। भगवान श्री कृष्ण ने हमें कर्म की प्रधानता की शिक्षा दी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि श्री कृष्ण प्रकृति प्रेमी थे। जब हम भगवान कृष्ण को याद करते हैं तो हमें यमुना नदी का किनारा याद आता है, बांसुरी की तान याद आती है और गौ माता का झुंड याद आता है। सनातन धर्म में प्रकृति की पूजा की जाती है। पीपल, बरगद आदि वृक्षों को पूजनीय माना गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी एक पेड़ मां के नाम लगाने का आह्वान किया है। मैं सभी से अनुरोध करता हूँ कि वे अपनी माँ के नाम से एक पेड़ जरूर लगाएं। भगवान कृष्ण के प्रति भी हमारी सच्ची श्रद्धा तभी प्रकट होगी, जब हम एक पेड़ मां के नाम लगाकर प्रकृति के प्रति अपना दायित्व पूरा करेंगे।

विशाल दही हांडी कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आयी गोविंदा टोलियों ने हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने दही हांडी फोड़ कर गोविंदा टोलियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, विधायक किरण सिंहदेव, ईश्वर साहू, गुरु खुशवंत साहेब, मोतीलाल साहू तथा स्वामी राजीव लोचन जी महाराज, प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, बसन्त अग्रवाल और आयोजन समिति के सदस्यगण सहित विशाल जनसमूह उपस्थित था।

साव ने दिल्ली में ट्राइबल यूथ हॉस्टल का किया निरीक्षण

छात्रों से किया संवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने मंगलवार को नई दिल्ली के द्वारका में स्थित ट्राइबल यूथ हॉस्टल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने हॉस्टल में रह रहे छात्रों से मुलाकात की और उनकी शैक्षिक प्रगति और जीवनशैली के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस हॉस्टल में अनुसूचित जनजाति (एसटी), अनुसूचित जाति (एससी), और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्र रह कर विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ लोकनिर्माण विभाग के सचिव कमलप्रीत सिंह भी इस दौरे में उनके साथ उपस्थित थे।

हॉस्टल में छात्रों से बातचीत करते हुए उपमुख्यमंत्री ने उनकी समस्याओं और चुनौतियों को ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने कहा, आप सभी हमारे राज्य का भविष्य हैं, और सरकार आपकी शिक्षा और विकास के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहें और राज्य के विकास में योगदान दें। छात्रों ने अपनी पढ़ाई और हॉस्टल में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में बताया, और कुछ बुनियादी आवश्यकताओं की ओर भी ध्यान दिलाया। उपमुख्यमंत्री श्री साव ने उनकी समस्याओं को दूर करने के लिए तुरंत कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

इस संवाद के दौरान उपमुख्यमंत्री ने छात्रों को बताया कि सरकार उनके लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि छत्तीसगढ़ सरकार आदिवासी, अनुसूचित जाति और पिछड़े वर्ग के छात्रों की शिक्षा और उनके भविष्य के प्रति गंभीर है और इस दिशा में लगातार कदम उठा रही है।

ट्राइबल यूथ हॉस्टल के निरीक्षण के बाद उपमुख्यमंत्री श्री साव ने द्वारका में स्थित छत्तीसगढ़ निवास का भी दौरा किया। उन्होंने वहाँ की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और यह सुनिश्चित किया कि छत्तीसगढ़ से दिल्ली आने वाले नागरिकों और अधिकारियों के लिए उचित सुविधाएँ उपलब्ध हो। इस दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ निवास के कर्मचारियों से मुलाकात की और उन्हें निर्देश दिया कि वे राज्य के लोगों की सेवा में सदैव तत्पर रहें। उपमुख्यमंत्री श्री साव के इस दौरे का उद्देश्य राज्य के छात्रों और नागरिकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं को बेहतर बनाना और उनकी समस्याओं का समाधान करना था।

पुण्यतिथि पर स्वामी आत्मानंद को साय ने किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने समाज सुधारक और शिक्षाविद् स्वामी आत्मानंद की पुण्यतिथि 27 अगस्त पर उन्हें नमन करते हुए कहा है कि उन्होंने छत्तीसगढ़ में मानव सेवा एवं शिक्षा संस्कार की अलख जगाई। पीड़ित मानवता की सेवा को उन्होंने सबसे बड़ा धर्म बताया। स्वामी विवेकानंद के विचारों का भी उन पर भी गहरा असर हुआ और उन्होंने अपना पूरा जीवन दीन-दु:खियों की सेवा में बिता दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने स्वामी आत्मानंद के पद चिन्हों पर चलते हुए किसानों, वनवासियों, गरीबों और मजदूरों की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के हर संभव प्रयास कर रही है। स्वामी आत्मानंद ने वनवासियों के उत्थान के लिए नारायणपुर आश्रम में उच्च स्तरीय शिक्षा केन्द्र और वनवासी सेवा केन्द्र प्रारंभ किए।

प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान

8 पीवीटीजी बसाहटों में चल रहे शिविर

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में जिले में विशेष पिछड़ी जनजाति समूहों के लोगों को लाभ दिलाने हेतु प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति के बसाहटों को चिन्हांकित कर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। सहायक आयुक्त सुश्री शिल्पा साय ने बताया कि अभी तक कुल 08 बसाहटों में शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें आधार पंजीयन के 68, नवीन बैंक खाता के 27, आयुष्मान कार्ड 67, राशन कार्ड पंजीयन 114 और जाति प्रमाण पत्र के लिए 53 पंजीयन किया गया है। इन शिविरों में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित एवं पात्र सभी हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। शिविर में शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा लोगों को विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग हेतु संचालित योजनाओं के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी जा रही है।

जिले के महासमुंद विकासखंड के सिरपुर ग्राम में शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 21 अगस्त को आश्रित पीवीटीजी बसाहट सिरपुर, खमतराई, मरौद, नंदबरू, सुकुलबाय के हितग्राहियों के लिए बागबाहरा विकासखंड में ग्राम हाड़ाबंध में शिविर आयोजन हुआ जिसमें हाड़ाबंध, मामाभाचा के हितग्राहियों के लिए तथा पिथौरा विकासखंड में ग्राम भिथीडीह में शिविर का आयोजन हुआ। इसी तरह 22 अगस्त को ग्राम खरसा, सोनासिल्ली और मोहंदी, जलकी और तुसदा में आयोजन किया गया। इन शिविरों में विशेष रूप से पिछड़ी जनजातियों के लिए आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, बैंक खाता आदि योजनाओं से जोड़ने हेतु पंजीयन किया गया। इन शिविर में आदिवासी विकास विभाग, राजस्व विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जनपद पंचायत, खाद्य विभाग, महिला बाल विकास, लीड बैंक, बिजली विभाग, शिक्षा विभाग, पंचायत विभाग के स्टाल लगाए गए थे। इन सभी शिविरों के माध्यम से पीवीटीजी हितग्राहियों के कुल 68 आधार पंजीयन, 67 आयुष्मान कार्ड पंजीयन, 27 जनधन से बैंक खाता, 53 जाति प्रमाण पत्र कार्यवाही, 114 राशन कार्ड इसके अतिरिक्त उज्ज्वला गैस पंजीयन, महतारी वंदन पंजीयन व किसान सम्मान निधि का पंजीयन भी किया गया।

उल्लेखनीय है कि पीएम जनमन योजना का मूल उद्देश्य कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी), परिवारों और बस्तियों तक बुनियादी सुविधाओं और सेवाओं को पहुंचाकर उनकी सामाजिक, आर्थिक स्थितियों में सुधार करना है। पीएम जनमन योजना अंतर्गत कमजोर जनजाति समूहों के बसाहटों में विभिन्न विभागों के समन्वय से पेयजल, आवास, सड़क, आंगनबाड़ी के माध्यम से पोषण, आजीविका संवर्धन हेतु कौशल विकास जैसे महत्वपूर्ण गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

शिविरों में विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के वंचित लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण में बीपी, शुगर, आंख, खून की जांच कर आवश्यक परामर्श एवं दवाइयां भी प्रदान की जा रही है। विशेष पिछड़ी जनजाति के लोगों को शिविर तक लाने हेतु महिला कर्मचारियों, स्वसहायता समूह द्वारा सहयोग भी किया जा रहा है एवं शिविर की नियमित मॉनिटरिंग हेतु गठित जिला एवं ब्लॉक स्तरीय नोडल अधिकारियों की टीम द्वारा शिविर का निरीक्षण कर संबंधित विभागों की उपस्थिति सुनिश्चित की जा रही है।

मिर्च की बम्पर पैदावार से अमलू के आय में हुई बढ़ोत्तरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखण्ड शंकरगढ़ के ग्राम लरंगी के प्रगतिशील कृषक अमलू के पास 02 एकड़ खेत है और इनका पारिवारिक पेशा खेती-बाड़ी है। अमलू परम्परागत् तरीके से खेती करते थे पर विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं एवं उन्नत तकनीकी ज्ञान के अभाव में उत्पादन इतना कम होता था कि परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो जाता था। इसके अलावा भविष्य की पारिवारिक जिम्मेदारियां भी अंधकारमय दिखाई दे रहीं थी। अमलू कहता है कि मिर्च की खेती करने से मेरे आय के स्त्रोत में बढ़ोत्तरी होने पर मेरी आर्थिक स्थिति में सुधार आ रहा है। अमलू के इस जुनून को देखते हुए आस-पास के कृषक भी उद्यानिकी फसल को अपनाने हेतु प्रेरित हो रहे हैं।

अमलू अपनी आय को बढ़ाने के लिए एक दिन विकासखण्ड के उद्यानिकी विभाग गया तथा अधिकारियों से सम्पर्क कर खेती की उन्नत तकनीक के बारे में चर्चा की। उन्हें बताया गया कि विकासखण्ड में संचालित राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजनांतर्गत प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम आयोजन किया गया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेकर अमलू ने सब्जी उत्पादन के साथ-साथ अंतरवर्ती फसल करने का निर्णय लिया। उन्होंने उद्यान विभाग से मिर्च बीज प्राप्त कर अपने 02 एकड़ खेत में मिर्च की खेती की, जिसके लिए उसे 80 हजार रूपए खर्च करने पड़े। साथ ही उद्यान विभाग द्वारा उन्हें मिर्च की खेती करने के लिए 20 हजार रुपए का अनुदान भी प्राप्त हुआ।

अमलू की मेहनत और उद्यानिकी विभाग की मदद से मिर्च की बम्पर फसल हुई है, जिससे किसान अमलू के चेहरे की मुस्कान और आय स्त्रोत में बढ़ोत्तरी हुई है। उन्होंने बताया कि खेती से लगभग 100 क्विंटल मिर्च प्राप्त हुई, जिसका बाजार मूल्य 02 लाख 30 हजार रूपए है। खर्च काटकर अमलू को लगभग 01 लाख 50 हजार रूपये की बचत प्राप्त हुई।

2380 लखपति दीदियों को किया गया सम्मानित

महासमुंद। कलेक्टर विनय लंगेह के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, एस. आलोक के मार्गदर्शन में जिले के सभी विकासखण्ड के संकुल संगठन में लखपति दीदीयों के साथ प्रधानमंत्री के संवाद कार्यक्रम प्रदर्शित किया गया तथा आजीविका गतिविधि से लाभ प्राप्त कर लखपति बनी 2380 लखपति दीदियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। ग्रामीण विकास मंत्रालय, अंतर्गत राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एनआरएलएम के तहत भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र के जलगाँव से देश भर की लखपति दीदियों को वर्चुअल माध्यम से सम्बोधित किया। इस कार्यक्रम के तहत जिले में 273 स्व-सहायता समूह को 6 करोड़ 44 लाख 55 हजार बैंक ऋण वितरण किया गया तथा रिवाल्विंग फण्ड एवं सीआईएफ वितरण किया गया। इस अवसर पर सभी जनपद के महिला स्व-सहायता समूह, ग्राम संगठन व संकुल संगठन के सदस्य एवं स्टाफउपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950